Vastu Guruji

वास्तु हेतु संपर्क करें...

मो.नं. 9074110000 9770888888

दैनिक

साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वास्तु गुरुजी

वर्ष : 3 अंक : 224 | पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 | रायपुर, मंगलवार 01 सितंबर, 2026 | www.sakarbharat.com

SHORT NEWS

झीरम हमले में अब 5 को आएगा फैसला

जगदलपुर। झीरम घाटी नक्सली हमले के मामले में फैसला अब 5 सितंबर को आएगा। NIA कोर्ट ने फैसला पांच दिन के लिए टाल दिया है। पहले आज (31 अगस्त) फैसला आने की उम्मीद थी।

इस मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई चली थी। एक आरोपी की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है, जबकि बाकी 10 आरोपियों पर फैसला आना है। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में 101 गवाहों के बयान और दस्तावेज पेश किए हैं। 10 अगस्त को मामले में अंतिम बहस हुई थी। इसके बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। अभियोजन पक्ष ने सबूतों के आधार पर आरोप साबित होने की दलील दी, जबकि बचाव पक्ष ने आरोपों को चुनौती दी है। स्पेशल NIA अदालत ने मामले में 10 अगस्त की तारीख अंतिम बहस के लिए तय की थी। इसी दिन दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी दलीलें रखीं। इसके बाद फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। बता दें कि झीरम घाटी हमला छत्तीसगढ़ के सबसे चर्चित मामलों में से एक है।

नारी के सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन से ही बनेगा समृद्ध छत्तीसगढ़ : सीएम विष्णु देव साय

रायपुर। जब नारी शक्ति आगे बढ़ती है तो उसके साथ परिवार, समाज और पूरा देश आगे बढ़ता है। महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा, समान अवसर और आर्थिक स्वावलंबन प्रदान करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। हमारी सरकार का संकल्प है कि छत्तीसगढ़ की हर बेटी को अपने सपने पूरे करने का अवसर मिले और हर महिला आत्मविश्वास एवं आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़े। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय परिसर के अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित 'नारी शक्ति सम्मान समारोह' को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर चिकित्सा, शिक्षा, खेल, साइबर सुरक्षा, पत्रकारिता, कला एवं संस्कृति, कृषि, महिला उद्यमिता, सामाजिक सेवा और महिला सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। उन्होंने नारी शक्ति सम्मान समारोह पर आधारित ब्रोशर का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सम्मानित महिलाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन महिलाओं ने अपने परिश्रम, प्रतिभा, साहस और संकल्प से अलग-अलग क्षेत्रों में विशिष्ट पहचान बनाई है। उनकी उपलब्धियां केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं हैं, बल्कि उन हजारों बेटियों के लिए प्रेरणा हैं, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसी महिलाओं का सम्मान वास्तव में उस नारी शक्ति का सम्मान है, जो परिवार को संस्कार देती है, समाज को दिशा देती है और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। छत्तीसगढ़ की महिलाएं आज खेती-किसानी से लेकर उद्यमिता, शिक्षा, खेल, सामाजिक सेवा और आधुनिक तकनीक तक हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि

भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया गया है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। लक्ष्मी-नारायण, उमा-महेश्वर, सिया-राम और राधा-कृष्ण जैसे संबोधन हमारी उस सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं, जिसमें नारी को शक्ति, करुणा, सृजन और संस्कार का आधार माना गया है। राज्य सरकार इसी भावना को योजनाओं और नीतियों के माध्यम से धरातल पर उतार रही है।

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. ममता साहू को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील जिम्मेदारी मिली है। उनका सामाजिक एवं सार्वजनिक जीवन का अनुभव, कानून की समझ और उच्च शिक्षा इस दायित्व के निर्वहन में उपयोगी सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. ममता साहू के नेतृत्व में राज्य महिला आयोग प्रदेश की माताओं-बहनों को न्याय दिलाने, उनके अधिकारों की रक्षा करने और पीड़ित महिलाओं तक कानूनी सहायता पहुंचाने में प्रभावी भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि महिला आयोग की भूमिका केवल शिकायतों के निराकरण तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आयोग गांवों, कस्बों, जनजातीय और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचे तथा महिलाओं को उनके कानूनी और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करे। महिलाओं को यह भरोसा होना चाहिए कि किसी भी कठिन परिस्थिति में शासन और उसकी संस्थाएं संवेदनशीलता के साथ उनके साथ खड़ी हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में नारी शक्ति को नई पहचान, सम्मान और आगे बढ़ने के अभूतपूर्व अवसर मिले हैं। 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान ने बेटियों के प्रति सामाजिक सोच में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। महिलाओं की भागीदारी और प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में भी ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आसीन होना पूरे देश की नारी शक्ति के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। प्रधानमंत्री मोदी की सोच है कि विकसित भारत की यात्रा महिलाओं के नेतृत्व और उनकी सक्रिय भागीदारी के बिना पूरी नहीं हो सकती।

छत्तीसगढ़ सरकार भी इसी संकल्प के साथ प्रदेश की मातृशक्ति को विकास की मुख्यधारा में और अधिक मजबूती से जोड़ रही है।

भारत और उज्बेकिस्तान के रिश्ते अब 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर पर: पीएम मोदी

ताशकंद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को घोषणा की कि भारत और उज्बेकिस्तान के रिश्तों को अब व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ा दिया गया है। उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान 'ओली दराजली दोस्तलिक' ऑर्डर से सम्मानित किए जाने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, 'आपके दूरदर्शी नेतृत्व और भारत के प्रति आपकी मित्रता की भावना की बदौलत हमारे संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। हमारे रिश्ते नई ऊंचाइयों तक पहुंच रहे हैं और इसी का परिणाम है कि अब हमारे संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ा दिया गया है।' प्रधानमंत्री मोदी ने यह सम्मान भारत और उज्बेकिस्तान के बीच सदियों पुरानी दोस्ती और साझा विरासत को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है।

उन्होंने कहा, 'उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान पाकर मुझे बेहद गर्व महसूस हो रहा है। आपने 'दोस्तलिक' शब्द का इस्तेमाल किया, जिससे भारत के लोग भी बहुत अच्छी तरह परिचित हैं। हमारे देश में शायद ही कोई ऐसा परिवार होगा जहां 'दोस्त' शब्द दिन में कई बार इस्तेमाल न होता हो। और आज आपने सचमुच 'दोस्तलिक' की भावना को जीवंत कर दिया है। 'दोस्तलिक' का मतलब है दोस्ती। यही शब्द भारत और उज्बेकिस्तान के रिश्तों की असली भावना को सबसे बेहतर तरीके से बयान करता है।'

उन्होंने कहा, 'यह सम्मान किसी एक व्यक्ति का नहीं है, बल्कि भारत के 140 करोड़ लोगों का सम्मान है। मैं अपने सभी देशवासियों की ओर से उज्बेकिस्तान की जनता, यहां की सरकार और मेरे मित्र, माननीय राष्ट्रपति का दिल से धन्यवाद करता हूं। मैं इस सम्मान को पूरी विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं और इसे हमारे दोनों देशों के बीच सदियों पुरानी दोस्ती और साझा विरासत को समर्पित करता हूं।'

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में उनके योगदान के लिए यह सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत, उज्बेकिस्तान के साथ अपनी मित्रता को हमेशा मजबूत बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सुप्रीम कोर्ट ने ई-20 पेट्रोल को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'ई-20 पेट्रोल' को लेकर दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिका में पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बताने और इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के गाड़ियों के साथ इस्तेमाल की अनुकूलता के बारे में अधिक पारदर्शिता के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी। वकील नरेंद्र गोस्वामी ने यह याचिका दायर की थी। वकील नरेंद्र गोस्वामी ने यह याचिका दायर की थी। सोमवार को जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। हालांकि, बेंच ने उन्हें अपनी शिकायत लेकर संबंधित हाई कोर्ट जाने की छूट दी। याचिका में मांग की गई कि हर पेट्रोल पंप के हर नोजल पर साफ-साफ लिखा जाए कि पेट्रोल में कितने प्रतिशत इथेनॉल मिला है। पेट्रोल की रसीद/बिल पर भी इथेनॉल का प्रतिशत लिखा जाए, ताकि ग्राहक को पता रहे कि उसने कौन-सा पेट्रोल खरीदा है। इस याचिका में यह भी मांग की गई थी कि सरकार एक आधिकारिक वाहन-वार सूची/डेटाबेस बनाए, जिसमें बताया जाए कि कौन-सी गाड़ी ई-20 पेट्रोल के लिए उपयुक्त है और कौन-सी नहीं।

125 खिलाड़ियों का सम्मान, गुरुचरण सिंह होरा ने बढ़ाया हौसला

रायपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शनिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में राज्य खेल अलंकरण समारोह 2026 का आयोजन किया गया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव की मौजूदगी में प्रदेश के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को सम्मानित किया गया।

समारोह में तीन वित्तीय वर्षों 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के कुल 125 खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें 82 खेल प्रतिभाओं को राज्य खेल अलंकरण तथा पांच टीमों के 43 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को मुख्यमंत्री ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही खेल अंकुर, खेल गौरव और खेल शिखर पुरस्कारों के विजेताओं को प्रोत्साहन राशि भी दी गई।

करीब तीन वर्ष के अंतराल के बाद आयोजित इस समारोह में छत्तीसगढ़ के विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में खेल जगत से जुड़े कई प्रमुख पदाधिकारी और खिलाड़ी उपस्थित रहे।

गुरुचरण सिंह होरा ने दी रक्षाबंधन की शुभकामनाएं, बोले- राखी रिश्तों और विश्वास का बंधन: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सम्मानित खिलाड़ियों और उनके माता-पिता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य खेल अलंकरण पुरस्कार प्रदान किए जा रहे हैं। खिलाड़ियों की उपलब्धियों को सम्मान मिलना पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है। समारोह में छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया, ऋष्ठ अध्यक्ष नंदे साहू, पूर्व मंत्री एवं छत्तीसगढ़ वालीबॉल संघ के अध्यक्ष महेश गागड़ा और छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष जी.एस. भांबरा सहित अन्य खेल पदाधिकारी मौजूद रहे।

तीनों वर्षों में शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार, शहीद कौशल यादव पुरस्कार, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार और शहीद विनोद चौबे सम्मान सहित विभिन्न श्रेणियों में खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ट्रॉफी के तहत पैरा व्हीलचेयर फेंसिंग, सॉफ्टबॉल और तीरंदाजी सहित विभिन्न दलीय खेलों की टीमों को सम्मान मिला। इसके अलावा 30 से अधिक खिलाड़ियों को शहीद पंकज विक्रम सम्मान से भी नवाजा गया। राज्य सरकार द्वारा खिलाड़ियों को सम्मानित किए जाने से प्रदेश के खेल जगत में उत्साह का माहौल है। आयोजन को खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

गुरुचरण सिंह होरा ने दी खिलाड़ियों को बधाई

छत्तीसगढ़ टेनिस संघ के महासचिव गुरुचरण सिंह होरा ने सम्मानित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों के हित में लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। होरा ने कहा कि खिलाड़ियों को सम्मान और प्रोत्साहन मिलने से उनका मनोबल बढ़ेगा और प्रदेश के युवा खेलों की ओर अधिक आकर्षित होंगे। उन्होंने सम्मानित खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि खिलाड़ी इसी तरह मेहनत और लगन से छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाते रहें।

सायबर सेल टीम बालोद एवं थाना अर्जुन्दा, गुण्डरदेही पुलिस की रही विशेष भूमिका

बालोद। दिनांक 24.08.2026 को अर्जुन्दा में प्रार्थी के मकान के सामने खड़ी उसकी मोटरसायकल क्रमांक **CG** 07 **BP** 7301 को अज्ञात चोर चोरी कर ले गया था। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना अर्जुन्दा में अपराध क्रमांक 135/2026, धारा 303(2) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया।

दिनांक 24.08.2026 को बालोद न्यायालय के पास प्रार्थी की मोटरसायकल फैशन प्रो क्रमांक ष्त्र 24 स्र 5368 को अज्ञात चोर चोरी कर ले गया था। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना बालोद में अपराध क्रमांक 445/2026, धारा 303(2) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। पुलिस टीम की कार्रवाई मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक बालोद किरण चव्हाण (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री चंद्रकांत गवर्ना के निर्देशन तथा एसडीओपी बालोद श्री विनय कुमार साहू एवं एसडीओपी गुण्डरदेही श्रीमती श्रुति सिंह के पर्यवेक्षण में आरोपियों की पतासाजी हेतु सायबर सेल एवं थाना स्तर पर विशेष टीम गठित की गई। टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से एनालिसिस कर संदेही को चिन्हांकित किया गया। आरोपी उमेश यादव उर्फ सन्नाटा को पकड़कर पूछताछ करने पर उसने बताया कि दिनांक 20.08.2026 को मोटरसायकल चोरी के प्रकरण में दुर्ग जेल से रिहा होने के बाद दिनांक 23/24.08.2026 की दरम्यानी रात्रि अर्जुन्दा शहर पहुंचकर एक मकान के सामने खड़ी बजाज कंपनी की मोटरसायकल चोरी कर ले गया। इसके बाद दिनांक 24.08.2026 को बालोद शहर स्थित जिला न्यायालय के पास से एक फैशन प्रो मोटरसायकल चोरी कर ली। तत्पश्चात धमतरी से कुरूद जाकर वहां से 01 नग एक्टिवा चोरी कर अर्जुन्दा क्षेत्र स्थित अपने ससुराल जा रहा था।

2 हजार रुपए के लेनदेन के विवाद में 15 वर्षीय नाबालिग की बेरहमी से पिटाई

जांजगीर-चांपा । जिले के पामगढ़ से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां महज दो हजार रुपए के पुराने लेनदेन को लेकर हुए विवाद में 15 वर्षीय नाबालिग युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी गई, जिसके बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, पामगढ़ के वार्ड क्रमांक 04 निवासी महेश टंडन बीते कल दोपहर करीब एक बजे अपने बेटे 15 वर्षीय शिवा टंडन के साथ मौजूद थे। इसी दौरान महेश टंडन ने गांव के ही कुछ युवकों से पुराने दो हजार रुपए वापस मांगे। इसी बात को लेकर युवकों के साथ विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया और आरोप है कि युवकों ने महेश टंडन और उनके बेटे शिवा टंडन के साथ हाथ-मुक्कों से जमकर मारपीट की।

परिजनों का आरोप है कि शिवा को आरोपियों ने बेरहमी से पीटा और कई बार उठाकर जमीन पर पटका, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। वहीं उसके पिता महेश टंडन के साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

घायल शिवा की मां अनुसुइया टंडन उसे लेकर पामगढ़ थाने पहुंचीं और मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई।

ग्रामीणों ने उत्साह से सुना प्रधानमंत्री का संदेश, मंत्री, सांसद और विधायक भी रहे मौजूद

दूरस्थ वनांचल छिंदनार के लोगों ने सुनी प्रधानमंत्री के 'मन की बात'

रायपुर । नक्सलवाद की समाप्ति के बाद बदलते बस्तर की नई तस्वीर रोज सामने आ रही है। आज दंतेवाड़ा के सुदूर वनांचल छिंदनार में भी एक नया नजारा देखने को मिला। पूरे देश के साथ वहां के लोगों ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का प्रसारण सुना। छिंदनारवासियों के लिए यह पहला मौका था, जब पूरा गांव प्रधानमंत्री को सुनने के लिए जुटा था। प्रधानमंत्री को रेडियो पर सुनने को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह था। उन्होंने बेहद तल्लीनता से प्रधानमंत्री की बातें सुनीं। छिंदनार में आज बिलकुल अलग

तरह का माहौल था। प्रधानमंत्री की 'मन की बात' को लेकर लोग खासे उत्साहित थे। गांव के कई लोगों ने आज पहली बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सुना। वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप, बस्तर के सांसद महेश कश्यप और दंतेवाड़ा के विधायक चैतराम अटामी ने भी ग्रामीणों के साथ 'मन की बात' का प्रसारण सुना। बस्तर के दूरस्थ वनांचल में आज एक नई तस्वीर दिख रही थी। कुछ महीनों पहले तक रोज धमाकों की आवाज के बीच दहशत में जीने वाले छिंदनार के लोग आज चैन से रेडियो सुन रहे थे। 'मन की बात' सुनने के बाद ग्रामीणों ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम देश को एक सूत्र में बांधता है। इसके माध्यम से वे देश के विभिन्न भागों में बदलाव लाने वाले सकारात्मक कार्यों और नवाचारों को पूरे देश के सामने रखते हैं। इससे अन्य लोग भी अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित होते हैं। प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम समाज और देश के विकास के लिए जनभागीदारी की भावना को बढ़ाता

मीशो पर राखी के ऑर्डर्स में 36% की वृद्धि, नॉन-मेट्रो भारत और छोटे विक्रेताओं ने बढ़ाई त्योहारी मांग

रायपुर । पिछले एक महीने के दौरान मीशो पर राखी की खरीदारी में तेजी देखने को मिली। इस दौरान प्लेटफॉर्म ने पिछले वर्ष की समान राखी शॉपिंग अवधि की तुलना में ऑर्डर्स में लगभग 36त्न की वृद्धि और में लगभग 38त्न की वृद्धि दर्ज की। इस वर्ष मीशो पर राखी के कुल ऑर्डर्स में लगभग 73% हिस्सेदारी नॉन-मेट्रो भारत की रही। यह दर्शाता है कि देश के बड़े शहरों से आगे अब छोटे शहर भी त्योहारी ई-कॉमर्स की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सबसे तेज वृद्धि टियर 3 और टियर 4 बाजारों में दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश के छोटे औद्योगिक शहर दादरी ने लगभग 105त्न सालाना वृद्धि के साथ सबसे आगे स्थान बनाया। इसके बाद नबरंगपुर (ओडिशा), कासगंज, धमतरी और नैनपुर (मध्य प्रदेश) जैसे शहरों में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इस राखी सीजन में ग्राहकों के भुगतान व्यवहार में भी बदलाव देखने को मिला। मीशो पर 58त्न राखी ऑर्डर्स प्रीपेड माध्यमों से किए गए, जो प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन खरीदारी के प्रति ग्राहकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।त्योहारी मांग ने अधिक कारोबारियों को भी प्लेटफॉर्म की ओर आकर्षित किया। राखी उत्पाद बेचने वाले विक्रेताओं की संख्या में सालाना 72% की वृद्धि दर्ज की गई। अधिक छोटे व्यवसायों और उद्यमियों ने अपने प्रोडक्ट कैटलॉग का विस्तार करते हुए देशभर में त्योहारी मांग का लाभ उठाया। नए डिजाइन और फॉर्मेट के बावजूद पारंपरिक राखियों की मांग मजबूत बनी रही।

जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष देवराज किशोर दास ने भोजली महोत्सव में की शिरकत

छुईखदान । समीपस्थ ग्राम बुढ़ानभाठ में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी भोजली महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष देवराज किशोर दास वैष्णव शामिल हुए। इस दौरान ग्रामीणों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भोजली महोत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। बच्चों ने छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का आयोजन जय अंबे ट्रैक्टर के संचालक लक्ष्मी चंदेल एवं ग्राम के सामाजिक भाइयों के सहयोग से किया गया। मित्रता और भाईचारे का प्रतीक है । भोजली कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष देवराज किशोर दास ने कहा कि भोजली त्योहार

छत्तीसगढ़ की मित्रता की नींव है। इस पर्व के माध्यम से हम अपने नजदीकी और करीबी लोगों के साथ भोजली यानी मित्रता का रिश्ता कायम करते हैं। यह रिश्ता केवल त्योहार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि एक बार मित्रता बनने के बाद लोग जीवनभर एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि भोजली छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपरा, आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का काम करते हैं। ग्राम पंचायत एटीकसा के सभापति दीपक वैष्णव ने कहा कि भोजली ग्रामीण परिवेश का महत्वपूर्ण त्योहार है। यह पर्व आपसी भाईचारे को मजबूत करने के साथ ही लोगों को मित्रता और एकजुटता का संदेश देता है। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने आने वाले समय में बुढ़ानभाठ में भोजली महोत्सव को और बड़े स्तर पर आयोजित करने का निर्णय लिया।

अखिल भारतीय हल्बा-हल्बी आदिवासी समाज पूर्वी ब्लॉक गोटाटोला ने प्रतिभाओं का बढ़ाया हौसला

छुरिया । अखिल भारतीय हल्बा-हल्बी आदिवासी समाज पूर्वी ब्लॉक गोटाटोला द्वारा समाज की उन होनहार बेटियों का सम्मान किया गया, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर मेडिकल कॉलेज में चयनित होकर समाज एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।

इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठजनों ने चयनित बेटियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल उनके परिवार की खुशी नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। इन बेटियों ने यह साबित कर दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, मेहनत निरंतर हो और परिवार व समाज का सहयोग मिले, तो ग्रामीण एवं आदिवासी अंचल की बेटियां भी बड़े से बड़े मुकाम को हासिल कर सकती हैं। समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि आज की बेटियां आने वाली पीढ़ी की दिशा तय करती हैं। इनकी सफलता समाज के अन्य विद्यार्थियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा बनेगी। समाज का उद्देश्य केवल प्रतिभाओं का सम्मान करना ही नहीं, बल्कि शिक्षा, संस्कार, सहयोग और सामाजिक एकता के माध्यम से नई पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए मजबूत मंच प्रदान करना है। वक्ताओं ने वर्तमान पीढ़ी से आह्वान किया कि वे शिक्षा को अपना सबसे मजबूत हथियार बनाएं तथा आने वाली पीढ़ी को बेहतर शिक्षा और संस्कार देने के लिए निरंतर प्रयास करें। समाज के सक्षम एवं शिक्षित युवा अपने अनुभव और मार्गदर्शन से जरूरतमंद विद्यार्थियों का सहयोग करें, ताकि आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियां किसी भी प्रतिभावान बच्चे की राह में बाधा न बनें।

पौधों को रक्षासूत्र बांधकर लिया पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प

खरसिया । रक्षाबंधन पर्व पर पर्यावरण की रक्षा का अनोखा संदेश देते हुए नगर पालिका के जय स्तंभ पार्क में वृहद वृक्षारोपण एवं पौधों को रक्षा सूत्र बांधने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। माँ मणि देवी जी की स्मृति में एम.आर. परिवार द्वारा जन जागृति के उद्देश्य से यह आयोजन लायंस क्लब खरसिया एवं भारत विकास परिषद के तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष कमल गर्ग रहे। अध्यक्षता पार्षदों एवं एल्डरमैन की उपस्थिति में हुई।

रोपण से बड़ी है सुरक्षा - अध्यक्ष गर्ग

अपने उद्बोधन में नगर पालिका अध्यक्ष कमल गर्ग ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के लिए पौधा लगाना जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा जरूरी उसकी सुरक्षा करना है। रक्षाबंधन पर पौधों को रक्षा सूत्र बांधकर उनकी सुरक्षा का संकल्प लेना

एक सराहनीय और अभिनव पहल है। उन्होंने इस सार्थक पहल के लिए ॠषि अग्रवाल एवं एम.आर. परिवार की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कार्यक्रम में कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, सरस्वती शिशु मंदिर और नेशनल कॉन्वेंट स्कूल के छात्र-छात्राओं ने पौधों को रक्षासूत्र बांधकर पर्यावरण की रक्षा की मंगल कामना की। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधों की जानकारी ली और अपने स्कूल एवं घर के लिए पौधे प्राप्त कर वृक्षारोपण का संकल्प लिया।

प्राचार्य एन.पी. पांडे ने पौराणिक ग्रंथों में वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधने के महत्व पर प्रकाश डाला। नगर पालिका सीएमओ नीतू अग्रवाल ने पौधारोपण कर पौधों की सुरक्षा के संकल्प के महत्व को समझाया। अंत में ॠषि अग्रवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, नगर पालिका के पार्षदगण, लायंस क्लब एवं भारत विकास परिषद के सदस्य उपस्थित रहे।

गंगरेल, रुद्री डेम,माडमसिल्ली और नरहरा में उमड़ा पर्यटकों का सैलाब

धमतरी। जिले में पर्यटन को नई पहचान और नई ऊंचाई देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का असर अब गंगरेल, रुद्री डेम माडमसिल्ली और नरहरा जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर साफ दिखाई दे रहा है। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण इन पर्यटन स्थलों में इन दिनों बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। जलाशयों की शांत लहरों, हरियाली से आच्छादित पहाड़ियों और मनोहारी प्राकृतिक वातावरण के बीच पर्यटक परिवार और मित्रों के साथ सुकून के पल बिताने के साथ ही कयाकिंग, वाटर स्पोर्ट्स और अन्य जलक्रीड़ाओं का रोमांच भी ले रहे हैं।

गंगरेल जलाशय और रुद्री डेम पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां जलक्रीड़ा गतिविधियों के विस्तार से पर्यटन को नया आयाम मिला है। कयाकिंग सहित विभिन्न वाटर स्पोर्ट्स के माध्यम से पर्यटक जल की लहरों पर रोमांच का अनुभव कर रहे हैं। वहीं जलाशय का

विहंगम दृश्य, सूर्यास्त का मनोहारी नजारा और आसपास की हरियाली पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही है। माडमसिल्ली और नरहरा भी प्राकृतिक पर्यटन एवं पारिवारिक मनोरंजन के लिए पसंदीदा स्थल के रूप में उभर रहे हैं।

जिला प्रशासन द्वारा पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षित पर्यटन को ध्यान में रखते हुए इन स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर किया जा रहा है। पर्यटकों के लिए पार्किंग व्यवस्था, स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित परिसर, बैठने के स्थान, गार्डन एवं हरित क्षेत्र, आवागमन की सुविधा तथा मनोरंजन के विभिन्न विकल्पों पर विशेष ध्यान दिया गया है। पर्यटन स्थलों को आकर्षक और सुविधाजनक बनाने के साथ ही साफ-सफाई, पेयजल तथा सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को भी प्राथमिकता दी जा रही है। जलक्रीड़ा गतिविधियों में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने पर भी प्रशासन का विशेष जोर है।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि धमतरी जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। गंगरेल, रुद्री डेम,माडमसिल्ली और नरहरा जैसे प्राकृतिक स्थलों को सुविधायुक्त एवं आकर्षक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि यहां आने वाले पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य के साथ सुरक्षित, स्वच्छ, सुव्यवस्थित और यादगार पर्यटन अनुभव मिले। जलक्रीड़ा एवं साहसिक गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

दादा ध्यानचंद का जीवन खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत : मधुसूदन यादव

राजनांदगांव । खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला हॉकी संघ राजनांदगांव एवं समस्त खेल संघों के संयुक्त तत्वावधान में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में नगर के खेलप्रेमियों एवं खिलाड़ियों द्वारा उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर प्रात: 7:30 बजे अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, राजनांदगांव से विभिन्न खेलों से जुड़े खिलाड़ियों द्वारा भव्य रैली निकाली गई। रैली नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गौरव पथ स्थित मेजर ध्यानचंद स्मारक पहुंची। यहां मेजर ध्यानचंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इसके पश्चात रैली वापस अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पहुंची, जहां संगोष्ठी सभा का आयोजन किया गया। संगोष्ठी सभा मधुसूदन यादव, महापौर, नगर पालिक निगम राजनांदगांव के मुख्य आतिथ्य तथा जी.आर. मरकाम, आयुक्त, नगर पालिक निगम राजनांदगांव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम का संचालन फिरोज

असारी, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ हॉकी ने किया,

इस अवसर पर शिव नारायण धकेता, सचिव जिला हॉकी संघ; रमेश डाकलिया, वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी; भूषण साव, उपाध्यक्ष जिला हॉकी संघ; वीरेन्द्र सिंह भाटिया, कोषाध्यक्ष ,सु आशा थॉमस, कोषाध्यक्ष छत्तीसगढ़ हॉकी; मती शबनम अंसारी, उपाध्यक्ष छ. ग. हाकी सहित खेल जगत से जुड़े पदाधिकारी एवं खिलाड़ी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मेजर ध्यानचंद का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत : मधुसूदन यादव

मुख्य अतिथि मधुसूदन यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेजर ध्यानचंद जी को पूरी दुनिया में हॉकी के जादूगर के रूप में जाना जाता है। उनका जन्म 29 अगस्त 1905 को इलाहाबाद में हुआ था तथा उनका निधन 3 दिसंबर 1979 को हुआ। उन्होंने अपने असाधारण खेल कौशल, गेंद पर नियंत्रण और उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से भारतीय हॉकी को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। उन्होंने बताया कि मेजर ध्यानचंद के नेतृत्व में भारतीय हॉकी टीम ने 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक खेलों में लगातार तीन स्वर्ण पदक हासिल किए।

भारतीय खेलों में उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

बाजार अतरिया में धूमधाम से मना भोजली महोत्सव, विधायक यशोदा वर्मा ने किया अवंति बाई लोधी की प्रतिमा का अनावरण

खैरागढ़ । खैरागढ़ क्षेत्र के बाजार अतरिया में समस्त लोधी समाज द्वारा भव्य भोजली महोत्सव एवं मूर्ति अनावरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खैरागढ़ विधायक यशोदा वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और समाजजनों ने हिस्सा लिया। भोजली महोत्सव के दौरान छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और परंपराओं की आकर्षक झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में राष्ट्रीय लोधी समाज के उपाध्यक्ष कमलेश्वर लोधी, लोधी समाज के संरक्षक भूखन जंघेल, जिला पंचायत सदस्य निर्मला विजय वर्मा, लोधी समाज के जिला अध्यक्ष उत्तम जंघेल, पूर्व जिलाध्यक्ष राजभान लोधी,

नीलांबर सिंह वर्मा, सरपंच बिमला वर्मा, हिमांचल सिंह राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं समाज के पदाधिकारी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विधायक यशोदा वर्मा की निधि से स्थापित वीरांगना रानी अवंति बाई लोधी की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। प्रतिमा अनावरण के बाद उपस्थित लोगों ने वीरांगना अवंति बाई लोधी के साहस और समाज के लिए उनके योगदान को याद किया। वही अवंती चौक पर जल्द ही टीन शेड लगाने की घोषणा की । भोजली महोत्सव में पंडवानी गायन, जसगीत, सुवा नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने देर रात तक दर्शकों को बांधे रखा। कार्यक्रम में नाच पार्टी की प्रस्तुति भी हुई। मंच पर अतिथियों द्वारा विभिन्न कलाकारों का सम्मान किया गया। इस दौरान विधायक यशोदा वर्मा भी महिलाओं के साथ सुवा नृत्य में शामिल हुईं, जिससे कार्यक्रम का माहौल और भी उत्साहपूर्ण हो गया।

मछली पालन से सशक्त हुईं मनोरा और दुलदुला की महिलाएं, लाखों की आय से बदली जीवन की तस्वीर

रायपुर, । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं को आजीविका के विभिन्न साधनों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। शासन की योजनाओं और विभागीय सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं अब पारंपरिक गतिविधियों के साथ-साथ मछली पालन जैसे लाभकारी व्यवसाय को अपनाकर अपनी आय बढ़ा रही हैं।

जशपुर जिले के मनोरा और दुलदुला विकासखंड की महिला स्व-सहायता समूहों ने शासकीय तालाबों को अपनी आजीविका का आधार बनाकर आर्थिक आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल पेश की है। शासकीय तालाबों के दीर्घकालीन पट्टे, विभागीय तकनीकी मार्गदर्शन और समूह की महिलाओं की मेहनत ने मछली पालन को उनके लिए आय का मजबूत जरिया बना दिया है।

भभरी में तालाब बना समृद्धि का माध्यम: जशपुर जिले के विकासखंड मनोरा के ग्राम भभरी में कमल महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं पिछले तीन वर्षों से ग्राम पंचायत के 0.700 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले शासकीय तालाब में 10 वर्षीय पट्टे के माध्यम से मछली पालन कर रही हैं। समूह की महिलाओं ने सामूहिक प्रयास और विभागीय मार्गदर्शन से मछली पालन को सफल आजीविका गतिविधि के रूप में विकसित किया है।

समूह द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 3 क्विंटल मछली का उत्पादन किया जा रहा है, जिससे करीब 6 लाख रुपये का वार्षिक विक्रय प्राप्त हो रहा है। इस आय से महिलाओं की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। अब वे घरेलू जरूरतों के साथ बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक खर्चों को भी बेहतर ढंग से पूरा कर पा रही हैं।

सिमड़ा की महिलाओं ने लिखी आत्मनिर्भरता की नई कहानी: दुलदुला विकासखंड के ग्राम सिमड़ा में दीप महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं भी पिछले तीन वर्षों से 0.800 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले शासकीय तालाब में मछली पालन कर रही हैं। समूह ने संगठित प्रयासों और निरंतर मेहनत से इस गतिविधि को आय के प्रभावी साधन में बदल दिया है। समूह द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 3.30 क्विंटल मछली का उत्पादन किया जा रहा है, जिससे लगभग 6.93 लाख रुपये का वार्षिक विक्रय प्राप्त हो रहा है। इससे समूह की महिलाओं की आय में वृद्धि हुई है और वे आर्थिक रूप से पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई हैं। शासकीय योजनाओं ने खोले आत्मनिर्भरता के नए रास्ते महिला स्व-सहायता समूहों को शासकीय तालाबों का पट्टा उपलब्ध कराने, तकनीकी मार्गदर्शन देने और आजीविका गतिविधियों से जोड़ने की पहल ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक मजबूती का आधार बन रही है। मछली पालन से प्राप्त आय ने महिलाओं को परिवार की आर्थिक जरूरतों में अधिक प्रभावी भूमिका निभाने का अवसर दिया है। समूह की महिलाओं का कहना है कि पहले आय के सीमित साधनों के कारण परिवार का खर्च चलाना चुनौतीपूर्ण था।

जिला चिकित्सालय का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

सुकमा । कलेक्टर अमित कुमार ने शनिवार को जिला चिकित्सालय सुकमा का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने ओपीडी, आयुष्मान कार्ड केंद्र, औषधि वितरण केंद्र, प्रयोगशाला, एक्स-रे कक्ष एवं मातृ-शिशु वार्ड का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. एम.आर. कश्यप सहित अस्पताल का चिकित्सकीय एवं स्वास्थ्य अमला उपस्थित रहा। कलेक्टर ने अस्पताल में उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक सुधार के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रतिदिन की ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने आयुष्मान कार्ड केंद्र का निरीक्षण कर हितग्राहियों के कार्ड बनाने की प्रक्रिया की जानकारी ली और पात्र सभी हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड समय पर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक सहज और समयबद्ध तरीके से पहुंचना चाहिए। कलेक्टर अमित कुमार ने प्रयोगशाला कक्ष में मरीजों एवं हितग्राहियों से सीधे संवाद कर जांच सुविधाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कर्मचारियों से विभिन्न जांचों की रिपोर्ट तैयार होने में लगने वाले समय की जानकारी लेते हुए रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने एक्स-रे कक्ष का निरीक्षण किया और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक हितग्राही को एक्स-रे की फिल्म उपलब्ध कराई जाए।

गाय का दूध 60 रुपये एवं भैंस का दूध 70 रुपये लीटर में मिलेगा

अकलतरा । अकलतरा दुग्ध व्यापारी संघ की बैठक नगर के इंदिरा उद्यान परिसर में आयोजित हुई बैठक में बढ़ती महंगाई एवं पशु चारा की महंगाई को ध्यान में रखते हुए , दुग्ध व्यापारी संघ द्वारा गाय एवं भैंस के दूध में प्रति लीटर 10 - 10 रुपये बढ़ाने का निर्णय लिया गया, गाय का दूध 60 रुपये प्रति लीटर एवं भैंस का दूध 70 रूपये प्रति लीटर की दर निर्धारित की गई, बैठक में नगर का डेयरी का संचालन करने वाले वाले संचालक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, अकलतरा दुग्ध व्यापारी संघ के पदाधिकारीयो ने बताया कि बैठक में सर्वसहमति से बढ़ती हुई महंगाई एवं पशुदाना के बढ़ते हुए कीमत को देखते हुए गाय का दूध 50 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये एवं भैंस का दूध 60 रुपये से बढ़ाकर 70 रुपये प्रति लीटर करने का निर्णय लिया गया, नई दर 1 सितंबर से लागू होगी, बैठक में समीर साहू, अजय पांडेय, मुकेश नागदेव, लाला यादव, रामकुमार , हरप्रसाद , भीम, नरेश संतोष, बल्ले यादव, सोनू, दीपक यादव, कुलेंद्र, विठ्ठल, कुश, अंशु नंदकिशोर,मनोहर, लक्ष्मण भुनेश्वर अहीर, राजेश्वर भाई, सागर, रामभरोस यादव, रतन, करण आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति छत्तीसगढ़ का लगातार 1,281वॉ दिन पौधारोपण

बालोद । हरा भरा,स्वच्छ धरा के उद्देश्य को लेकर स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति छत्तीसगढ़ की टीम के संस्थापक प्रदेश अध्यक्ष नवनीत कुमार हरदेल के मार्गदर्शन पर लगातार 1281वें दिन पर्यावरण संरक्षण जागरूकता के अवसर पर छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों क्रमशः शिव प्राचीन मंदिर शिवनाथ नदी मुक्ति धाम दुर्ग, राम जानकी मंदिर शिवनाथ नदी मुक्ति धाम,भिलाई हुडको तालाब, रिसाली दशहरा मैदान दुर्ग ग्रामीण, ग्राम अंजोरा ख मैरी गोल्ड रिसोर्ट के पीछे,कपिश्वर मंदिर भिलाई, शिव दुर्गा मंदिर सेक्टर 10 भिलाई, शिव पार्वती धाम बालोद, दुर्गा मंदिर सुरेगांव इन सभी स्थानों पर स्वच्छता, पौधारोपण,जल संरक्षण, नशामुक्ति,गाजर घास उन्मूलन जागरूकता अभियान चलाया गया। प्राचीन शिव मंदिर शिवनाथ नदी मुक्ति धाम में साफ-सफाई कर झिल्ली, डिस्पोजल, दोना पत्तल, अनावश्यक सामग्री एवं गाजर घास को जड़ से उखाड़ कर निर्धारित स्थान पर डंप किया एवं पूर्व में ट्री गार्ड में लगाए गए पौधे के आसपास की निंदाई गुड़ाई कर देखभाल की था प्राचीन शिव मंदिर के अध्यक्ष राजू शर्मा जिनका अचानक निधन 18 अगस्त को हो गया स्व.राजू शर्मा की स्मृति में स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति छत्तीसगढ़ की टीम द्वारा इस सावन पर्व के अवसर पर समी के पौधे का पौधारोपण किया था उसकी देखभाल की। इसी कड़ी में हुडको तालाब भिलाई में साफ सफाई एवं गाजर घास उन्मूलन कर कचरे को निर्धारित स्थान पर डंप किया गया।इसी कड़ी में शिव पार्वती धाम बालोद में साफ-सफाई कर कचरे को निर्धारित स्थान पर डंप किया। इसी कड़ी में शिव मंदिर महाकाल सुरेगॉव,शिव दुर्गा मंदिर सेक्टर 10 भिलाई ,कपिश्वर धाम भिलाई में साफ सफाई कर कचरे को निर्धारित स्थान पर डंप किया।

भाई-बहनों ने साथ मनाया रक्षाबंधन; बेटियों की सफलता पर किया सम्मानित

राजनांदगांव । हर त्योहार की तरह इस वर्ष भी पूर्व सैनिक प्रसाद सिन्हा का परिवार रक्षाबंधन पर्व मनाने अपने पैतृक गांव अभनपुर में एकजुट हुआ। परिवार के सदस्य देश-प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर निवास करते हैं, लेकिन त्योहार के अवसर पर गांव पहुंचकर एक साथ खुशियां मनाने की परंपरा आज भी कायम है। सिन्हा परिवार का यह पारिवारिक मिलन अभनपुर में त्योहार मनाने की एक अलग पहचान और मिसाल बन चुका है।

रक्षाबंधन के अवसर पर परिवार की बेटियां एवं बहनें अपने परिवार के साथ अभनपुर पहुंचीं। कामिनी सिन्हा अपने पति शेखर सिन्हा एवं बच्चों के साथ तथा लोकेश्वरी अपने पति रूपेंद्र के साथ भिलाई से पहुंचीं। परिवार के भाई-बहनों की जोड़ियों में कामिनी-चित्रसेन, कोमल-लोकेश, लोकेश्वरी-नोमेश, रेश्मि-मनीष, पूजा-मयंक, प्राची-शुभम, अंजलि-अनुराग, सृष्टि-विवेक, श्रद्धा-रोहन एवं श्रेया-हर्षित सहित हेमलता एवं खुमेश्वरी ने भी रक्षाबंधन का पर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की।

इस अवसर पर परिवार में दिनभर हंसी-खुशी और आत्मीयता का माहौल रहा। सभी सदस्यों ने एक-दूसरे से मिलकर पर्व की खुशियां साझा कीं। परिवार को एकजुट रखने में परिवार की मुखिया भुवनेश्वरी सिन्हा का महत्वपूर्ण योगदान बताया गया।

ब्रह्माकुमारीज द्वारा 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महा-अभियान, विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

बालोद । प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय शिव दर्शन भवन गुंडरदेही की संचालिका बीके भारती दीदी द्वारा दादी प्रकाशमणि की पावन स्मृति में 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महा-अभियान के अंतर्गत गुंडरदेही एवं आसपास के विद्यालयों में नशा मुक्त प्रतिज्ञा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अभियान के तहत सेजेस गुंडरदेही, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुंडरदेही, बेलौदी, चंदनबिरही, माहुद (बी), भाठागांव (बी), सेजेस सिकोसा, पूर्व माध्यमिक विद्यालय गुंडरदेही तथा ज्ञानदीप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुंडरदेही में विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा दिलाई गई।

इस अवसर पर बीके रेणुका बहन एवं बीके भुनेश्वरी बहन ने कहा कि नशा सिर्फ व्यसन ही नहीं, बल्कि हमारे विवेक को नष्ट करने वाला हर विचार और वस्तु नशा है। ऐसे में हमें बहुत सावधानीपूर्वक चलना है और पूरे समाज को सभी प्रकार के नशे से मुक्त कर नशे को जड़ से खत्म करने के लिए भरपूर प्रयास करना है। ब्रह्माकुमारीज द्वारा इस तरह का बौद्धिक आंदोलन चलाया जा रहा है, जो प्रेरणादायक है।

उन्होंने कहा कि आज पूरे देश को नशा मुक्त करने के लिए हम सभी को जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। मानसिक और शारीरिक समस्याओं के लिए आज नशा ही जिम्मेदार है। इस नशा मुक्त भारत अभियान से हम सबको जुड़कर नशा मुक्त समाज का निर्माण करना चाहिए।

अंत में रेणुका बहन जी द्वारा नशा मुक्त भारत हेतु समस्त विद्यार्थियों तथा शिक्षक स्टाफ को नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा करवाई गई तथा इस प्रतिज्ञा को जीवन में धारण कर सदा नशे से मुक्त रहने के लिए प्रेरित किया गया।

वर्ष 2003 बैच के करीब 50 पूर्व छात्र पहुंचे स्कूल

बालोद । शनिवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भरदाकला में भावुक और यादगार माहौल देखने को मिला। वर्ष 2003 बैच के करीब 50 पूर्व छात्र 23 साल बाद एक साथ अपने पुराने स्कूल पहुंचे। कभी इसी विद्यालय की कक्षाओं में बैठकर भविष्य के सपने देखने वाले विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों से मुलाकात की और शाल, श्रीफल व प्रतीक चिन्ह भेंटकर उनका सम्मान किया। इस दौरान पूर्व छात्रों ने स्कूल में बिताए पुराने दिनों की यादें भी साझा कीं। वर्ष 2003 बैच के कई पूर्व छात्र आज पुलिस, चिकित्सा, शिक्षा, राजस्व विभाग सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती पर भाजपा ने निकाली भव्य 'कलश वंदन यात्रा'

जांजगीर। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, जांजगीर-चांपा द्वारा रविवार को जांजगीर नगर स्थित सांस्कृतिक भवन, कचहरी चौक से भव्य 'कलश वंदन यात्रा' का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा जिला अध्यक्ष अम्बेश जांगड़े के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के तैलचित्र पर विधिवत पूजा-अर्चना एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के धर्मगुरुओं, रोहिदास समाज के प्रबुद्धजनों तथा नगर के प्रतिष्ठित नागरिकों को सादर आमंत्रित किया गया। अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों को शाल, फल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। डॉ. राजीव सिंह ने गुरु रविदास जी के जीवन और संदेश पर प्रकाश डाला कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. राजीव सिंह, रायपुर संभाग प्रभारी, भारतीय जनता पार्टी ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के जीवन, विचारों तथा समाज सुधार में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने गुरु रविदास जी के प्रसिद्ध संदेश 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' सहित उनके जीवन-दर्शन और सामाजिक समरसता संबंधी विचारों से कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को अवगत कराया। डॉ. सिंह ने कहा कि संत रविदास जी ने समाज को बाहरी आडंबरों से ऊपर उठकर मन की शुद्धता, समानता, प्रेम और मानवता के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को नई दिशा देने में अत्यंत प्रासंगिक हैं। सांसद कमलेश जांगड़े एवं नारायण चंदेल ने किया संबोधित कार्यक्रम में सांसद मती कमलेश जांगड़े जी ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के जीवन एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए उनके चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित किए और जयंती की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

बूथ क्रमांक 63 पर भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों के साथ सुना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन

बालोद । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 137वीं कड़ी का प्रसारण रविवार को बूथ क्रमांक 63, ग्राम अरोद में भाजपा कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणजनों के साथ सामूहिक रूप से सुना गया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के उपाध्यक्ष एवं राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त यज्ञदत्त शर्मा, प्रदेश भाजपा स्थायी आमंत्रित सदस्य कृष्णकांत पवार एवं जिला भाजपा महामंत्री तथा 'मन की बात' के जिला प्रभारी राकेश छोटू यादव,बूथ अध्यक्ष बलराम साहू, पुरानिक देशमुख दुलारी मानकर, रतनलाल,सरपंच ओमप्रकाश, अधीन साहू,गमन लाल साहू, नरसिंह दे, पोषण साहू,कोमल साहू ,अधिवक्ता देवचरण यादव ,पिंटू देशमुख ,युवराज साहू, भावेश देशमुख, गोपी निषाद, योगेश्वर साहू ,रवि यादव सहित स्थानीय कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर यज्ञदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के सामान्य नागरिकों के अनुभव, नवाचार, प्रतिभा और सामाजिक योगदान को राष्ट्रीय मंच देने वाला जनसंवाद का सशक्त माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री देश के अलग-अलग क्षेत्रों में अपने छोटे-छोटे प्रयासों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले लोगों की प्रेरक कहानियां देश के सामने रखते हैं। शर्मा ने कहा कि 137वीं कड़ी में भी प्रधानमंत्री जी ने नवाचार, इतिहास को रोचक बनाने के प्रयास, स्वच्छता, महिला सशक्तीकरण, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने तथा देश की युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश भारत के कारीगरों, शिल्पकारों, छोटे व्यापारियों और स्थानीय उद्यमियों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भाजपा नेता कृष्णा कांत पवार ने कहा कि 'मन की बात' ने देश के करोड़ों नागरिकों को सकारात्मक सोच, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण के कार्यों से जोड़ने का काम किया है।

बारिश के बीच महापौर रामू रोहरा ने किया स्थल निरीक्षण, अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

धमतरी । शहरवासियों को पेयजल की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने और वर्षों पुरानी जल समस्या से राहत दिलाने की दिशा में नगर निगम ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कोऑपरेटिव बैंक के सामने वाली गली से शिव चौक तक करीब 250 मीटर लंबी 40 वर्ष पुरानी पाइपलाइन को तत्काल बदलने के निर्देश महापौर रामू रोहरा ने दिए हैं।

महापौर रामू रोहरा ने लगातार हो रही बारिश के बीच जल विभाग के सभापति अखिलेश सोनकर, पिंटू यादव मेघराज ठाकुर, अज्जू देशलहरे एवं जल विभाग के कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचकर पाइपलाइन का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने पुरानी पाइपलाइन की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित कर्मचारियों को बिना किसी देरी के पाइपलाइन बदलने और नागरिकों को बेहतर पेयजल व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

महापौर रामू रोहरा ने कहा कि जनता की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के निराकरण में नगर निगम किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगा। 40 साल पुरानी पाइपलाइन के कारण क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने की शिकायतें सामने आ रही थीं। इसे देखते हुए तत्काल नई पाइपलाइन बिछाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार और नगर निगम का मूल मंत्र विकास के साथ जनसेवा है और शहर के प्रत्येक वार्ड में नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है।

उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके से और निर्धारित समय में पूर्ण किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को जल्द से जल्द राहत मिल सके। जल विभाग सभापति अखिलेश सोनकर ने कहा कि महापौर के निर्देशानुसार पाइपलाइन बदलने की कार्रवाई तत्काल शुरू की जाएगी। पुरानी और जर्जर पाइपलाइन के स्थान पर नई पाइपलाइन बिछने से क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुचारु एवं मजबूत होगी। नगर निगम द्वारा नागरिकों की वर्षों पुरानी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने की दिशा में किए जा रहे इस कार्य से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

अलग तरीके से सपने देखिए, ताकि छोटी बस्तियां सितारों-सी चमक सकें

इस शनिवार जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ की बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स से 'एजेंट ऑफ चेंज' बनने और 'टीम इंडिया' के लिए काम करने को कहा तो वे सिर्फ औपचारिक कॉन्वोकेशन स्पीच नहीं दे रहे थे।

वे युवा भारतीयों को याद दिला रहे थे कि राष्ट्र-निर्माण के लिए हमेशा किसी स्काई-स्क्रैपर के टॉप फ्लोर पर बने कॉर्नर ऑफिस, किसी ताकतवर पद या किसी ऐसे बड़े ऑर्गेनाइजेशन की जरूरत नहीं होती, जिसके बड़े शहरों में दफ्तर हों। कभी-कभी इसके लिए सिर्फ ऐसा व्यक्ति चाहिए, जो उस जगह के लिए कुछ सार्थक करने का फैसला करे, जहां से वह आता है। फिर चाहे वह जगह कितनी ही छोटी क्यों न हो। विपुल खिराड़ी ऐसे ही एक युवा आदिवासी हैं। जिस गांव को वे दुनिया के नक्शे पर पहचान दिलाना चाहते थे, वह महाराष्ट्र में नासिक से 100 किमी दूर स्थित आदिवासी गांव 'उदमल' है। यह आधिकारिक रूप से प्रमाणित राज्य का पहला डार्क-स्काई कम्युनिटी बनने जा रहा है, जिससे महाराष्ट्र का आसमान थोड़ा और तारों भरा हो जाएगा।

जिला प्रशासन ने डिस्ट्रिक एनुअल ट्राइबल सब-प्लान (डीएटीएसपी) के तहत एक प्रोजेक्ट के लिए 42.1 लाख रुपए मंजूर किए हैं, जिसका उद्देश्य रात के मौलिक आसमान को बचाना और एस्ट्रो-टूरिज्म को विकसित करना है।

इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य सीधा है: लाइट पॉल्युशन कम करना, एस्ट्रोनॉमी टूरिज्म को बढ़ावा देना और स्थानीय आदिवासियों के लिए टिकाऊ रोजगार के अवसर पैदा करना। कम्युनिटी को लाइट पॉल्युशन कम करने और वैज्ञानिक तरीके से प्लान्ड आउटडोर लाइटिंग अपनाने के लिए समझाया गया।

इससे सुनिश्चित हुआ कि गांव की लाइटें स्मार्ट और सही दिशा में हों और रात के आसमान में कम खलल डालें। उदमल डार्क-स्काई इंटरनेशनल की ओर से महाराष्ट्र की पहली आधिकारिक डार्क-स्काई कम्युनिटी के रूप में सर्टिफाइड होने की प्रक्रिया में है।

यह सब विपुल से शुरू हुआ, जिन्होंने जब तारों को खोजा तो यह सपना नहीं देखा कि जीवन में अपने गांव को पीछे छोड़ दें। उन्होंने तारों की वजह से अपने गांव की पहचान बनाने का सपना देखा। 14 साल की उम्र में, एकलव्य आवासीय स्कूल में पढ़ाई के दौरान विपुल एक स्टारगेजिंग प्रोग्राम में शामिल हुए।

इस अनुभव ने गांव के आसपास फैले अंधेरे को देखने का उनका नजरिया बदल दिया। कई साल बाद मनाली में एक एस्ट्रोनॉमी इवेंट में जाते समय उनके मन में विचार आया कि उदमल गांव ग्लोबल एस्ट्रो-टूरिज्म की दुनिया का हिस्सा क्यों नहीं बन सकता?

एक अनजान आदिवासी गांव के युवा के लिए यह बेहद साहसिक विचार था। लेकिन उन्होंने इसे आगे बढ़ाया। उदमल के पास पहले से ही वह चीज थी, जिसे शहर तेजी से खो रहे थे- प्राकृतिक डार्क-स्काई। विपुल ने ग्रामीणों को समझाया कि डार्क-स्काई को बचाने का मतलब बिना रोशनी के रहना नहीं है।

इसका मतलब है जिम्मेदारी से रोशनी का इस्तेमाल करना और उस अंधेरे को बचाना, जो गांव की खास पहचान बन सकता है। आखिरकार ग्रामीणों ने विचार अपना लिया। प्रशासन भी साथ जुड़ा।

आज उदमल को महाराष्ट्र की पहली डार्क-स्काई कम्युनिटी बनने की महत्वाकांक्षा के साथ विकसित किया जा रहा है। सरकार टेलीस्कोप, स्काई-क्वालिटी मीटर और दूसरी सुविधाओं का पैसा दे रही है। इसमें खास बात सिर्फ एस्ट्रो-टूरिज्म प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि इसके पीछे की सोच है। विपुल अपने दूरदराज के गांव को अपनी मर्यादा मान सकते थे।

लेकिन उन्होंने इसे अवसर के तौर पर देखा। राजनाथ सिंह ठीक इसी भावना की बात कर रहे थे, जब उन्होंने स्टूडेंट्स से आग्रह किया कि समस्याओं को सिर्फ पहचानें नहीं, इसके समाधान खोजें। असर पैदा करें और नौकरी तलाशने वालों के बजाय जॉब-क्रिएटर बनें।

ये दोनों कहानियां अलग-अलग लग सकती हैं- यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स को संबोधित करते रक्षा मंत्री और अपने गांव को बदलने की कोशिश कर रहा एक युवा फिजिक्स स्टूडेंट, लेकिन दोनों का संदेश एक ही है।

भारत में ऐसे हजारों गांव, छोटी बस्तियां और छोटे समुदाय हैं, जो शायद ही कभी राष्ट्रीय पटल पर आ पाते हैं, जब तक कि वहां कुछ गलत न हो जाए। लेकिन उन सभी में कोई कहानी, कोई संसाधन, कोई परंपरा या कोई ऐसा व्यक्ति है, जो उसे खास बना सकता है। चमत्कार तब शुरू होता है, जब कोई उसे पहचान ले।

फंडा यह है कि शायद भारत का अगला बड़ा चमत्कार दिल्ली, मुंबई या बेंगलुरु से शुरू न हो। वह किसी अनजान गांव से भी हो सकता है- क्योंकि वहां किसी व्यक्ति ने अलग सपना देखने का फैसला कर लिया हो।

हमारे खेलों को क्रिकेट से मार्केटिंग के गुर सीखने होंगे

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

इस अवसर पर हमें भारतीय खेलों को समग्र दृष्टि से देखने की जरूरत है। एशियाई खेलों में अब महज लगभग 20 ही दिन रह गए हैं। 492 सदस्यों का मजबूत भारतीय दल जल्द ही जापान रवाना होगा, जहां उसका लक्ष्य 100 से अधिक पदक जीतना है। ओलिम्पिक की मेजबानी के लिए बोली की तैयारियां भी चल रही हैं। भारत में खेल आखिरकार प्राथमिकता बनते दिख रहे हैं।

सबसे पहले क्रिकेट की बात करें। घरेलू मैदान पर विश्व कप जीतने के बाद आयरलैंड और इंग्लैंड में कठिन दौर आया। लेकिन श्रीलंका में टेस्ट सीरीज ने उम्मीदों को फिर जगाया है और शुभमन गिल ने खुद को एक लीडर के रूप में मजबूती से स्थापित किया है।

अब निगाहें जल्द ही दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2027 विश्व कप की तैयारियों पर टिक जानी चाहिए। हर भारतीय क्रिकेट प्रशंसक इस बात से भी सहमत होगा कि तेज गेंदबाजों की नई पीढ़ी को न्यूजीलैंड में खुद को साबित करना होगा। तभी भारत टेस्ट क्रिकेट में वास्तव में प्रतिस्पर्धी बना रह सकेगा।

महिला क्रिकेट के सामने जवाबों से ज्यादा सवाल हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट जीत प्रभावशाली रही, लेकिन टी-20 विश्व कप में टीम का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। कप्तानी में बदलाव लगभग तय माना जा रहा था, लेकिन कम-से-कम फिलहाल बीसीसीआई ने हरमनप्रीत के साथ बने रहने का फैसला किया है। क्या स्मृति मंधाना को नेतृत्व का अवसर दिया जाना चाहिए था? इस सवाल से हमें रूबरू होना होगा।

फिर बैडमिंटन और निशानेबाजी की बात आती है। भारत ने नई दिल्ली में विश्व चैम्पियनशिप में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और ट्रीसा-गायत्री के पदकों ने देश को प्रतियोगिता के हर पल से जोड़े रखा। विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान से पोडियम तक पहुंचना हर उभरते खिलाड़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत होना ही चाहिए। सिंधु भी एक बार फिर अच्छी लय में दिखाई दे रही हैं और एशियाई खेल उनके लिए बड़ी परीक्षा होंगे। सात्विक और चिराग को चोटों से बेहतर ढंग से निपटना होगा। आयुष पुरुष एकल में बड़ी प्रतिभा साबित हो सकते हैं। निशानेबाजी की बात करें तो शायद यह कहना गलत नहीं होगा कि इस समय भारत इस खेल में दुनिया की अग्रिम पंक्ति में है। टीम में जबरदस्त प्रतिभा है और अब जरूरत सिर्फ खिलाड़ियों की मानसिक तैयारी और कंडीशनिंग पर काम करने की है। हमारे ओलिम्पिक खेलों को क्रिकेट से सीखना होगा- खेलों की बेहतर मार्केटिंग कीजिए, सितारे तैयार कीजिए और खिलाड़ियों की कहानियां लोगों तक पहुंचाइए। यह सब किया जा सकता है। बशर्ते हम अवसरों को गंवा नहीं दें। **(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

80 घंटे कोडिंग और AGI का लक्ष्य; जानिए ग्रेग ब्रॉकमैन की कहानी

ग्रेग ब्रॉकमैन की कार्यशैली उनके बहुत बडी हस्ती होने का अहसास नहीं कराती है। कंपनी को शिखर तक पहुंचाने में उनकी अहम भूमिका है। फिर भी, वे सामान्य इंजीनियर की तरह घंटों काम करते हैं। पूर्व सहयोगी उन्हें ओपनएआई में सबसे ज्यादा कड़ी मेहनत करने वाला शख्स मानते हैं।

वे हर सप्ताह 60 से 80 घंटे तक काम में जुटे रहते हैं। उनका 80 प्रतिशत समय कोडिंग में बीतता है। वे '10 x इंजीनियर' के खांचे में फिट बैठते हैं। टेक्नोलॉजी के गढ़ सिलिकॉन वैली में यह विशेषण दस सामान्य कोडरों के बराबर काम करने वाले इंजीनियर के लिए इस्तेमाल होता है।

ब्रॉकमैन के परिवार का साइंस की दुनिया से पुराना नाता है। उनके माता-पिता डॉक्टर थे। कम आयु से ग्रेग का झुकाव मैथ्स की तरफ था। उन्होंने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से मैथ्स में ग्रेजुएशन किया है। मैसाचुसेट्स टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई अधूरी छोड़ने के बावजूद उन्होंने कंप्यूटर से जुड़े कारोबार को अपनी पहचान बनाया है। 39 साल के ब्रॉकमैन की महत्वाकांक्षा अनंत है। उन्होंने पेमेंट कंपनी स्ट्राइप से अपना करियर शुरू किया। पांच साल तक कंपनी का चीफ टेक्नोलॉजी अधिकारी रहने के बाद उन्होंने 2015 में ओपनएआई की बुनियाद रखी।

ग्रेग मानते हैं कि यदि आपके पास दस लोगों की टीम है तो काम दस गुना होना चाहिए। इसलिए ब्रॉकमैन ऑफिस में घूमते हुए देखते हैं कि कौन से नए प्रोजेक्ट लॉन्च हो सकते हैं। 2023 में जब एक अन्य फाउंडर और सीईओ सैम आल्टमैन को बोर्ड ने बाहर कर दिया तब उन्होंने भी इस्तीफा दे दिया था। वे आल्टमैन के आने पर ही कंपनी में वापस लौटे थे। 2021 में एआई सेफ्टी पर कंपनी के रुख से असहमति जताते हुए कुछ वरिष्ठ कर्मचारियों ने कंपनी ने छोड़कर एंथ्रोपिक की स्थापना की थी। उस वक्त उनका कहना था, एंथ्रोपिक और हम एक जैसी रणनीतियों पर चल रहे हैं। इस पर गौर करने की जरूरत है।

ओपनएआई की इस बात के लिए लगातार आलोचना होती रही है कि वह अपने नुकसानदेह एआई मॉडल लगातार मुहैया करा रही है। इस पर ब्रॉकमैन का कहना है, सेफ्टी सुनिश्चित करने का एक ही तरीका है कि आप अधिक शक्तिशाली मॉडल पेश करें। हम नए मॉडल, सुपरइंटेलिजेंस पर्सनल असिस्टेंट, नई चिप्स, डेटा सेंटर, कंज्यूमर डिवाइस बना रहे हैं।

उनका कहना है, हम समूची अर्थव्यवस्था को बदलना चाहते हैं। एआई की होड़ में कंपनी एंथ्रोपिक से पिछड़ कई है। इसलिए ब्रॉकमैन ओपनएआई की प्राथमिकताओं के साथ सेफ्टी के अहम पहलू पर फोकस कर रहे हैं। ब्रॉकमैन कहते हैं, हमारा फोकस दो साल में आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस तक पहुंचने पर है। हम नए सिरे से आकलन कर रहे हैं कि क्या हमारा ढांचा और रणनीति सही है।

संडे प्रोफाइल - ग्रेग ब्रॉकमैन

ओपनएआई के प्रेसीडेंट और को-फाउंडर ग्रेग बॉकमैन की चैटजीपीटी और कोडेक्स जैसे प्रोडक्ट के निर्माण में मुख्य भूमिका रही है। टाइम मैग्जीन ने उन्हें अभी हाल में एआई की 100 सबसे प्रमुख हस्तियों की सूची में शामिल किया है।

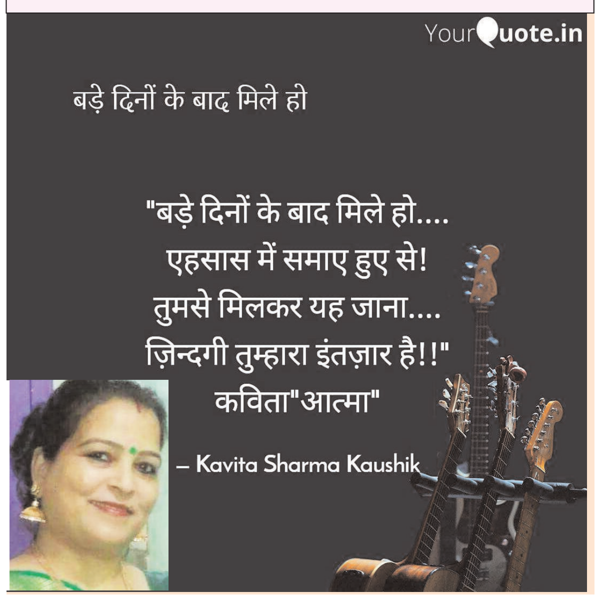

दवा कंपनियों की बेरुखी से आहत मां ने छेड़ी जंग. दुर्लभ बीमारी का ट्रायल शुरू

'लोग कहते हैं कि जब बीमारी लाइलाज हो, तो कुछ नहीं कर सकते। पर मेरा मानना है कि जब तक लड़ने की जिद है, तब तक कोई भी जंग हारी नहीं जाती।' नीना निसार व उनके दोनों बेटे जान्सेन डिजीज से ग्रस्त हैं। यह आनुवंशिक समस्या हड्डियां मोड़ देती है। दुनिया में इसके 30 मरीज हैं। उपेक्षा के बावजूद नीना ने हार नहीं मानी व बीमारी पर शोध के लिए फंड जुटाया। अब दवा के क्लिनिकल ट्रायल की पहली मरीज बन गई हैं, पढ़िए उनकी कहानी...

'दुबई में 1978 में जन्म के बाद बचपन से रहस्यमयी बीमारी से जूझ रही थी। कद 3 फीट 9 इंच रह गया, पसलियां मुड़ गईं, रीढ़ झुक गई और असहनीय दर्द मेरा साथी बन गया। मुझे व्हीलचेयर पर बैठे देख लगता था मानो किस्मत ने सब कुछ छीन लिया हो। लेकिन इसी नाजुक शरीर में अद्भुत हौसला बसता था। इंजीनियर पिता करीम ने इलाज के लिए जमा-पूंजी खर्च कर दी। वे मुझे लेकर लंदन से अमेरिका तक भटके, अनेक सर्जरियां कराईं, पर डॉक्टर बीमारी पहचान नहीं सके।

वर्षों बाद मेरी शादी हुई। डॉक्टरों ने कह दिया था कि मैं कभी मां नहीं बन पाऊंगी, पर मैंने बेटे अरशान को जन्म दिया। यह खुशी ज्यादा समय तक नहीं टिकी। दो साल बाद अरशान की हड्डियां भी टेढ़ी होने लगीं और जल्द ही दूसरे बेटे जहान में भी वही लक्षण दिखाई दिए। अपने बच्चों को उसी असहनीय दर्द से गुजरते देख मैं टूटने लगीं। आखिर केरल की बाल आनुवंशिकी विशेषज्ञ डॉ. शीला नंबूथिरी ने रहस्य सुलझाया। एक्स-रे देखते ही उन्होंने बताया कि यह अत्यंत दुर्लभ 'जान्सेन डिजीज' है, जिसके दुनिया में तब सिर्फ 30 मरीज थे।

1990 के दशक में वैज्ञानिक डॉ. थॉमस गार्डेला इस बीमारी को पैदा करने वाले जीन को नियंत्रित करने वाला पेप्टाइड खोज चुके थे, पर शोध फाइलों में दबा रह गया। वजह यह थी कि गिने-चुने मरीजों के लिए कोई दवा कंपनी करोड़ों डॉलर लगाना नहीं चाहती थी। मेडिकल सम्मेलन में तो मुझे यह तक कह दिया,'चार मरीजों की भला कौन परवाह करेगा?'

उस कड़वे सच ने मुझे तोड़ा नहीं, बल्कि मेरे भीतर सोई मां को वीरांगना बना दिया। अपने बेटों के भविष्य की खातिर मैं वैज्ञानिकों, शोध संस्थानों और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के दरवाजे खटखटाती रहीं। मेरी अथक कोशिशें रंग लाई और आखिर एनआईएच के दुर्लभ रोग केंद्र ने इस शोध को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी।

कुछ दिन पहले मैरीलैंड स्थित एनआईएच क्लिनिकल सेंटर में मैं इतिहास रच रही थी। मैं इस प्रायोगिक दवा के पहले इंसानी ट्रायल की पहली प्रतिभागी बनी, मुझे पता है कि यह दवा मेरी टेढ़ी हो चुकी हड्डियों को ठीक नहीं कर सकती, पर मेरा फोकस खुद पर नहीं, बल्कि बेटे अरशान, जहान और भविष्य के अन्य मरीज हैं। उम्मीद है कि इलाज बीमारी को शुरुआती चरण में ही रोक सकेगा। मुझे लगता है कि डॉक्टर भले कभी-कभी हाथ खड़े कर दें, पर जब तक इंसान हार नहीं मानता, उम्मीद जीवित रहती है। मेरा संघर्ष इसी अटूट विश्वास की मिसाल है।'- नीना

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

क्रिया के रामचरितमानस में दो फल बताए गए हैं। या तो व्यक्ति को धर्म के द्वारा सुख प्राप्त होता है अथवा धर्म के द्वारा वैराग्य प्राप्त होता है। संसार के अधिकांश व्यक्ति तो धर्म के द्वारा सुख ही प्राप्त करना चाहते हैं और इसमें कोई आपत्ति भी नहीं है। इसलिए उत्तरकांड में यह कहा गया कि वे व्यक्ति मूर्ख हैं जो सुख पाना चाहते हैं पर धर्म का पालन नहीं करते – सुख चाहहिं मूढ़ न धर्मरता। लेकिन रामचरितमानस में यह कहा गया कि जैसे आप किसी सड़क से जा रहे हों और वहीं सड़क आगे चलकर अगर कहीं दो दिशाओं में मुड़ी हो –

एक सड़क बायें जा रही हो और दूसरी दाहिने जा रही हो तो उस समय फिर आपको यह निर्णय करना पड़ता है कि अभी तक तो केवल एक ही मार्ग था पर जब सड़क दो दिशाओं में मुड़ी हुई है तो अब हमें दाएं जाना है कि बायें जाना है। इसी प्रकार यह जो धर्म की सड़क है वह आरंभ में तो एक है पर बाद में दो दिशाओं में मुड़ जाती है। धर्म की सड़क का एक भाग स्वर्ग जाता है तथा दूसरा भाग वैराग्य की दिशा में जाता है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

किशोरावस्था के गुस्से को रिश्तों पर स्थायी दाग न छोड़ने दें

शनिवार और रविवार की दरमियानी रात दो बजे आप किसी पब में कुछ घंटे नाचने-गाने के बाद थकी हुई घर लौटती हैं। घर पहुंचकर आप देखती हैं कि मुख्य दरवाजा अब भी खुला है। अंदर घुसते हुए आप बड़बड़ाती हैं- 'गैर-जिम्मेदाराना'! लेकिन असल कहानी यह नहीं है।

असल कहानी यह है कि आपके पिता ने हॉल की खिड़की से आपको अपने दोस्त की बाइक या टैक्सी से उतरते हुए देख लिया था। वे रात के दो बजे आपसे कोई चर्चा नहीं करना चाहते थे। लेकिन शाम आठ बजे जब आप घर से निकली थीं, तभी से उनकी नजरें दरवाजे पर ही लगी थीं।

वे अपनी प्यारी बेटी के लौटने का इंतजार कर रहे थे। जब आप आखिरकार सकुशल घर पहुंचीं, तो उनकी आंखों से आंसू बह निकले। वह राहत की एक शांत निःश्वास थी। उन्होंने ईश्वर को धन्यवाद दिया और सोने चले गए। लेकिन वे अभी सोए नहीं हैं।

शायद वे इंतजार कर रहे हैं कि आप उनके कमरे का दरवाजा खटखटाएं और कहें- 'सॉरी डैड, मुझे देर हो गई'। लेकिन इसके बजाय आप अपने कमरे का दरवाजा बंद कर लेती हैं और रविवार की दोपहर तक सोती रहती हैं, जबकि पिता सुबह छह बजे ही उठकर सप्ताहांत के जरूरी काम निपटाने में लग चुके होते हैं।

कई परिवारों में सप्ताहांत कुछ इसी तरह गुजरते हैं। बच्चे को लगता है कि माता-पिता उसकी आजादी में दखल दे रहे हैं। माता-पिता को लगता है कि बच्चा उनकी चिंता को समझ ही नहीं पा रहा। और इसके बीच प्यार, गुस्से की परतों के नीचे कहीं दब-सा जाता है।

मुझे हाल ही में भोपाल में आयोजित एक इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान एहसास हुआ कि माता-पिता और बच्चों के बीच यह दूरी कितनी व्यापक हो चुकी है। मैंने वहां बच्चों से पूछा कि जिनको लगता है कि अपने पैरेंट्स, खासकर पिता के साथ उनके रिश्ते खराब हो गए हैं, वे हाथ उठाएं।

मुझे उम्मीद थी कि कुछ हाथ उठेंगे। लेकिन सैकड़ों हाथ एक साथ उठ गए। वह दृश्य भूलना मुश्किल था। ये ऐसे बच्चे नहीं थे, जिन्होंने अपने पिता से प्यार करना बंद कर दिया था। ये बस उस उम्र में पहुंच चुके थे, जहां माता-पिता की हर सलाह उन्हें दखलअंदाजी लगने लगती है। वहीं किशोरावस्था में स्वच्छंदता का हर कृत्य माता-पिता को खतरे की तरह दिखाई देने लगता है।

12 से 16 वर्ष की उम्र के बच्चों का अपने माता-पिता से झगड़ना स्वाभाविक है। यह बड़े होने की प्रक्रिया का हिस्सा है। वे आजादी चाहते हैं, निजता चाहते हैं और अपने फैसले खुद लेने का अधिकार चाहते हैं। जबकि माता-पिता अब भी अपने कंधों पर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी लिए होते हैं।

मैंने कुछ नोटबुक्स में लिखा देखा- 'आई हेट माय फादर'। शायद उस छोटे बच्चे ने यह नहीं सोचा होगा कि अगर उसके पिता ने अनजाने में ये शब्द पढ़ लिए तो उन पर क्या गुजरेगी। जिन माता-पिता ने बच्चों के लिए वर्षों तक अपनी सुविधाओं, पैसों, नींद और कई बार अपने सपनों तक को पीछे रखा हो, उनके लिए ऐसे शब्द उनके साथ किसी बहस से ज्यादा गहरा घाव दे सकते हैं।

वे शायद खुद से पूछें कि अपने बच्चे के लिए इतना कुछ करने के बाद क्या वो मेरे बारे में यही सोचता है? इसीलिए बच्चों को अपने गुस्से को अभिव्यक्त करते समय थोड़ा सावधान रहना चाहिए। गुस्सा अस्थायी होता है, लेकिन लिखे हुए शब्द स्थायी यादें बन सकते हैं।

माता-पिता के साथ अपने रिश्ते को सहेजकर रखने की अहमियत पर बच्चों से बात करते हुए मुझे यह सच एक बार फिर दिखाई दिया। मेरे सामने वो बच्चे थे, जो अब अपना कैम्पस जीवन शुरू करने जा रहे थे और आजादी की एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने को तैयार थे। लेकिन उनके पीछे वे माता-पिता खड़े थे, जिन्होंने उन्हें यहां तक पहुंचाया था।

बोलते-बोलते मेरी नजर कम-से-कम ऐसी 50 जोड़ी आंखों पर पड़ी, जो चुपचाप अपने आंसू पोंछ रही थीं। वर्षों तक उन्होंने अपने बच्चों का हाथ थामे रखा था। अब उनसे उनका हाथ छोड़ देने को कहा जा रहा था। शायद उन आंसुओं ने वह सब कह दिया, जो बच्चे अभी तक समझ नहीं पाए थे।

‘मन की बात’ में पीएम मोदी ने युवाओं और किसानों को दिया संदेश

खरोरा । नगर पंचायत खरोरा में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम के 137वें संस्करण को हम सब ने सुना। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाने का संदेश दिया। प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने किसानों से आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक तरीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभदायक बनाने का आह्वान किया। उन्होंने देशवासियों से स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और ‘वोकल फॉर लोकल’ की भावना को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश के विकास में प्रत्येक नागरिक की छोटी-सी पहल भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। खरोरा पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष व मन की बात कार्यक्रम रायपुर जिला ग्रामीण जिला प्रभारी अनिल सोनी जी ने बताया,इस विशेष कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ.श्री अमीन खान जी के निज निवास पर गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ.कार्यक्रम की सफलता और संगठन के निर्देशानुसार, उपस्थित सभी गणमान्य ने सरल ऐप के माध्यम से आज के इस भव्य कार्यक्रम की फोटो भी अपलोड की।इस अवसर पर धरसींवा विधानसभा के विधायक अनुज शर्मा ,छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग उपाध्यक्ष वेदराम मनहरे ,पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल ,लखन लाल धीवर उपाध्यक्ष मत्स्य बोर्ड ,भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष मखमूर इक़बाल , स्वाति वर्मा , नरेंद्र ठाकुर, सुमित सेन ,सोना वर्मा,राजीव अग्रवाल, सुरेंद्र वर्मा ,विकाश ठाकुर ,रमेश शर्मा ,गुलाब टिकरिहा , शिव शकर वर्मा ,दीपक धनकर,माया वंशे ,तोरन ठाकुर एवं भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

किराए
पर उपलब्ध है

तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

45 किशोरों की टीम ने बांटीं 1500 से ज्यादा किताबें-स्टेशनरी

रायपुर। जरूरतमंद बच्चों और सहयोग करने वाले लोगों के बीच पारदर्शी व्यवस्था बनाने वाला बिलासपुर के किशोरों का प्रोजेक्ट ‘**VConnect**’ राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत हुआ है। जेन-जी टीम ‘**VolunTeens**’ के इस प्रोजेक्ट ने बेंगलुरु में आयोजित हार्वर्ड मॉडल यूनाइटेड नेशंस इंडिया में ‘इम्पैक्ट इनिशिएटिव’ का खिताब जीता है। अब प्रोजेक्ट के विस्तार के लिए आर्थिक सहायता के साथ हार्वर्ड यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल रिलेशंस काउंसिल की अंतरराष्ट्रीय मेंटरशिप भी मिलेगी। प्रतियोगिता में देशभर के शीर्ष स्कूलों के करीब 1600 छात्रों ने हिस्सा लिया था। चयन के कई चरणों के बाद फाइनल में पहुंची बिलासपुर की टीम का प्रतिनिधित्व द जैन इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा मेहर सलूजा ने किया। जूरी ने जरूरतों की पहचान, सत्यापन और पारदर्शी वितरण पर आधारित **VConnect** के मॉडल को सबसे प्रभावी मानते हुए विजेता चुना।

पीएम नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों का सेवा काल अतुलनीय और अनुकरणीय: सांसद बृजमोहन

‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत भाजपा कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर गिनाएंगे केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियां

एक माह तक चलने वाले अभियान में सेवा कार्यों के साथ खिलाड़ियों, पद्मश्री विजेताओं और सांस्कृतिक विभूतियों का होगा सम्मान

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित प्रांतीय कार्यशाला में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल शामिल हुए। यह कार्यशाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जनसेवा और सुशासन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत आयोजित की जा रही है।

इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन में सेवा और समर्पण के जो 25 वर्ष पूरे किए हैं, वह पूरे देश के लिए अतुलनीय और अनुकरणीय हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर किए गए लोक हितैषी कार्यों को जब तक जनता के बीच निरंतर न ले जाया जाए, तब तक लोग उसे पूरी तरह आत्मसात नहीं कर पाते। कांग्रेस और विपक्षी दल लगातार जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका मुंहतोड़ जवाब भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर देगा।

अग्रवाल ने बताया कि एक माह तक चलने वाले इस ‘सेवा संकल्प अभियान’ के दौरान भाजपा केंद्र की मोदी सरकार, छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार और पूर्ववर्ती डॉ. रमन सिंह सरकार द्वारा किए गए ऐतिहासिक विकास कार्यों और जन-कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएगी।

सेवा कार्य और विभूतियों का सम्मान रहेगा प्रमुख

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल उपलब्धियां बताना ही नहीं, बल्कि जमीन पर उतरकर जनसेवा करना है। अभियान के तहत: समाज का मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों, पद्मश्री से अलंकृत हस्तियों और उत्कृष्ट सांस्कृतिक कलाकारों का सम्मान किया जाएगा।

अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि जनसेवा के इस महाअभियान के जरिए भाजपा के जनाधार को और अधिक मजबूत करना है। जनता तक सरकार की हर एक उपलब्धि पहुंचे और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को शासन की योजनाओं का पूरा लाभ मिले, यही इस सेवा पखवाड़े का मुख्य संकल्प है।

रायपुर में 3 सितंबर को होगा ‘गुरु वंदन उत्सव

रायपुर। शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर 3 सितंबर को शहीद स्मारक भवन में ‘तिरंगा शक्ति फेस्ट 2026 गुरु वंदन उत्सव’ का ग्रैंड फिनाले आयोजित किया जाएगा। रायपुर जिला प्रशासन, नगर निगम संस्कृति विभाग, कला केंद्र रायपुर और स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से होने वाले इस आयोजन में शिक्षक और छात्र शामिल होंगे। पहले यह कार्यक्रम 5 सितंबर को प्रस्तावित था, जिसे संशोधित कर 3 सितंबर किया गया है। आयोजन में दो आयु वर्गों में गायन और नृत्य प्रतियोगिताएं होंगी। जूनियर वर्ग में 5 से 15 साल और सीनियर वर्ग में 15 से 70 साल तक के प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे। प्रतियोगिता के जरिए अलग-अलग आयु वर्ग के प्रतिभागियों को अपनी गायन और नृत्य प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

प्रतियोगिता के लिए ऑडिशन 30 अगस्त को टाउनहाल रायपुर में होंगे। ऑडिशन का समय सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक रखा गया है। इच्छुक प्रतिभागी निर्धारित समय के दौरान पहुंचकर ऑडिशन दे सकेंगे।

आयोजन का उद्देश्य बच्चों, युवाओं और अन्य आयु वर्ग के प्रतिभागियों को अपनी कला दिखाने के लिए मंच देना है। इसके साथ ही गायन और नृत्य में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा को और बेहतर करने का अवसर मिलेगा।

रायपुर में 15 लाख की दही-हांडी के लिए मचेगी होड़: फेमस सिंगर बी-प्राक और लखबीर सिंह लक्खा करेंगे परफॉर्म

रायपुर। भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के मौके पर 5 सितंबर को रायपुर के गुढ़ियारी में विशाल दही हांडी उत्सव का आयोजन होगा। सार्वजनिक दही हांडी उत्सव समिति और श्री हनुमान मंदिर ट्रस्ट के सहयोग से होने वाला यह कार्यक्रम अवधपुरी मैदान, श्रीनगर रोड पर दोपहर 3 बजे से शुरू होगा।

यह आयोजन का 16वां साल है। कार्यक्रम में दही हांडी प्रतियोगिता के साथ कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

दही हांडी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के साथ महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, झारखंड और ओडिशा समेत कई राज्यों की गोविंदा टोलियां हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता जीतने वाली टीम को 15 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। बाकी टीमों को भी समिति की ओर से सांत्वना राशि दी जाएगी। समिति के मुताबिक, अब तक रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव समेत अलग-अलग क्षेत्रों की करीब 26 पुरुष और महिला गोविंदा टोलियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के भंडारा, इंदौर और जबलपुर से भी टीमें प्रतियोगिता में शामिल होने आएंगी। प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए कोई शुल्क नहीं है।

गायक बी प्राक और छत्तीसगढ़ की लोक गायिका गरिमा स्वर्णा दिवाकर प्रस्तुति देंगी।

गायक बी प्राक और छत्तीसगढ़ की लोक गायिका गरिमा स्वर्णा दिवाकर प्रस्तुति देंगी।

बी प्राक और लखबीर सिंह लक्खा देंगे प्रस्तुति

इस बार दही हांडी उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। कार्यक्रम में गायक बी प्राक, भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा और छत्तीसगढ़ की लोक गायिका गरिमा स्वर्णा दिवाकर प्रस्तुति देंगी। आयोजकों का कहना है कि धार्मिक कार्यक्रम के साथ होने वाले ये संगीत कार्यक्रम युवाओं और श्रद्धालुओं के लिए खास आकर्षण रहेंगे।

बंदूकें छूटी, पर सेवा नहीं: अब युवाओं को फौज के लिए तराश रहे पूर्व सैनिक, अब तक 27 से ज्यादा चयनित हुए

रायपुर। सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद भी राजधानी के पूर्व सैनिकों ने देश सेवा का अपना मिशन जारी रखा है। वे गांवों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के युवक-युवतियों को पांच साल से मुफ्त सैन्य प्रशिक्षण दे रहे हैं। अब तक 27 से ज्यादा युवाओं का सेना, पुलिस और विभिन्न सुरक्षा बलों में चयन हो चुका है।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के नि:शुल्क सैन्य प्रशिक्षण की कमान मुख्य प्रशिक्षक सूबेदार डीपी पटेल और उनकी टीम संभाल रही है। यहां ऐसे युवाओं को तैयार किया जा रहा है, जिनके माता-पिता महंगे कोचिंग संस्थानों या फिजिकल ट्रेनिंग सेंटरों की फीस देने में सक्षम नहीं हैं।

इस मुहिम की शुरुआत आसान नहीं थी। सबसे बड़ी समस्या स्थायी मैदान की थी। पूर्व सैनिकों की टीम ने कभी कमल विहार, कभी बोरियाखुर्द तो कभी शाश्वत नगर के मैदानों में युवाओं को दौड़ और दूसरी शारीरिक परीक्षाओं की तैयारी कराई।

लगातार जगह बदलने के बावजूद शुरुआती दौर में ही 15 से 20 युवाओं का सेना, पुलिस और सीआरपीएफ में चयन हुआ। अप्रैल 2025 में कांदूल गांव की सरपंच तिलेश्वरी जितेंद्र धुरंधर के सहयोग से प्रशिक्षण के लिए स्थायी मैदान मिला। इसके बाद से कांदूल के खेल मैदान में प्रशिक्षण लगातार चल रहा है। यहां शिफ्ट होने के बाद अब तक 12 और युवाओं का विभिन्न सुरक्षा बलों में चयन हो चुका है।

प्रशिक्षण रोज सुबह 5.30 से 7.30 बजे तक दिया जाता है। इसमें शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए रनिंग, जंप सहित दूसरी गतिविधियों की तैयारी कराई जाती है। मानसिक मजबूती के लिए योग भी कराया जाता है। समय-समय पर लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए बाहर से विशेषज्ञ बुलाकर मार्गदर्शन दिया जाता है। नामांकन के लिए कोई फीस नहीं है। अभ्यर्थियों को आधार कार्ड और माता-पिता या अभिभावक का सहमति पत्र देना होता है।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के 10 नए केस:मरीजों की संख्या 115 हुई, रायपुर में 3 नए संक्रमित; 28 एक्टिव केस

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू यानी एच1एन1 का संक्रमण बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में 10 नए संक्रमित मिले हैं। इसके बाद स्वाइन फ्लू के कुल मरीजों की संख्या 105 से बढ़कर 115 हो गई है। एक्टिव मरीज भी 18 से बढ़कर 28 हो गए हैं।

रायपुर में स्वाइन फ्लू के 3 नए मरीज मिले हैं। यहां कुल संक्रमितों की संख्या 51 से बढ़कर 54 हो गई है। एक्टिव केस भी 6 से बढ़कर 9 हो गए हैं।

दुर्ग में 3 नए संक्रमित मिले हैं। इसके बाद यहां कुल मरीजों की संख्या 7 से बढ़कर 10 और एक्टिव मरीज 2 से बढ़कर 5 हो गए हैं।

रायगढ़ में 2 नए मरीज मिले हैं। यहां कुल संक्रमितों की संख्या 5 से बढ़कर 7 और एक्टिव मरीज 2 से बढ़कर 4 हो गए हैं।

बिलासपुर में भी 1 नया केस सामने आया है। यहां कुल संक्रमितों की संख्या 12 से बढ़कर 13 और एक्टिव मरीज 2 से बढ़कर 3 हो गए हैं।

सरगुजा में 1 नया मरीज मिला है। इसके बाद यहां कुल संक्रमितों की संख्या 2 से बढ़कर 3 हो गई है। एक्टिव मरीज भी 0 से बढ़कर 1 हो गया है।

3 नए जिलों में पहली बार पहुंचा संक्रमण

स्वाइन फ्लू का संक्रमण अब उन जिलों में भी पहुंच गया है, जहां पहले कोई केस सामने नहीं आया था। बलौदाबाजार-भाटापारा, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और उत्तर बस्तर कांकेर में 1-1 नया मरीज मिला है। तीनों मरीज फिलहाल एक्टिव हैं।

धमतरी में अब तक 7 संक्रमित मिल चुके हैं, इनमें 4 एक्टिव हैं। कोरबा में 5 संक्रमितों में 1 एक्टिव और बेमेतरा में 3 संक्रमितों में 1 एक्टिव मरीज है।

बस्तर में 2 मरीज मिल चुके हैं। इसके अलावा दंतेवाड़ा, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, जशपुर, महासमुंद, एमसीबी, राजनांदगांव और सूरजपुर में 1-1 मरीज मिल चुके हैं। इन जिलों में फिलहाल कोई एक्टिव केस नहीं है।

रायपुर में केंद्रीय जेल का अधिकारी संक्रमित

रायपुर में केंद्रीय जेल में पदस्थ एक अधिकारी भी स्वाइन फ्लू संक्रमित हुए हैं। उनका इलाज रायपुर के रामकृष्ण हॉस्पिटल में चल रहा है।

बताया गया है कि अधिकारी परिवार के साथ कांकेर गए थे। वहां उन्हें बुखार, सर्दी और सांस लेने में परेशानी हुई। जांच कराने पर एच1एन1 टेस्ट पॉजिटिव आया। स्वास्थ्य विभाग ने अधिकारी के परिवार के सदस्यों की कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग कर ली है। परिवार के अन्य सदस्य स्वस्थ हैं।

अधिकारी सरगुजा में संक्रमित हुए या रायपुर-कांकेर प्रवास के दौरान, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज आपके पराक्रम और आय में वृद्धि के अच्छे योग बन रहे हैं। लंबे समय से फंसा हुआ धन वापस मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति में राहत महसूस होगी। नए प्रोजेक्ट, योजनाएं और कार्य आपके लिए सफलता के द्वार खोल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी सक्रियता और निर्णय क्षमता की सराहना होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को नए संपर्कों और अवसरों से लाभ मिल सकता है।

वृषभ। आज करियर और कार्यक्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी, पद में बदलाव या उन्नति से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। व्यवसाय में भी नए अवसर सामने आ सकते हैं, लेकिन आर्थिक मामलों में सावधानी बरतना जरूरी होगा। निवेश या बड़े लेन-देन से पहले सभी पहलुओं की अच्छी तरह जांच करें।

मिथुन। आज कार्यक्षेत्र में आपकी बौद्धिक क्षमता और संवाद कौशल विशेष रूप से प्रभावी रहेंगे। जटिल कार्यों को समझने और सही समाधान निकालने की आपकी योग्यता आपको दूसरों से आगे रख सकती है। व्यापार से जुड़े लोग कोई बड़ा और लाभदायक निर्णय ले सकते हैं। नई योजना, साझेदारी या विस्तार पर विचार करने के लिए समय अनुकूल है।

कर्क। आज नौकरी और करियर के क्षेत्र में अच्छी खबर मिलने की संभावना है। पदोन्नति, नई जिम्मेदारी या कार्यक्षेत्र में बदलाव आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं और आय के नए स्रोतों पर भी विचार किया जा सकता है। व्यापार से जुड़े लोगों को योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर में सुखद वातावरण बना रहेगा।

सिंह। आज लंबे समय से अटके हुए कार्यों में गति आने की संभावना है। आपकी मेहनत और धैर्य का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी और किसी सदस्य से अच्छी खबर मिल सकती है। समाज और कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ने के योग हैं। आपकी नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास लोगों को प्रभावित करेंगे। व्यवसाय में पुराने संपर्कों से लाभ मिल सकता है। नए कार्यों की शुरुआत भी सोच-समझकर की जा सकती है।

कन्या। आज आपकी मेहनत का पूरा फल मिलने की संभावना है। कार्यस्थल पर आपकी योजनाएं सफल हो सकती हैं और सहकर्मियों का सहयोग मिलने से कठिन काम भी आसानी से पूरे होंगे। नौकरीपेशा लोगों की कार्यक्षमता की प्रशंसा हो सकती है। व्यवसाय में नई योजना पर काम शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं, लेकिन अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

तुला। आज आय के नए स्रोत खुलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं धीरे-धीरे सफलता की ओर बढ़ेंगी। जीवनसाथी और परिवार के साथ बेहतरीन समय बिताने का अवसर मिलेगा। रिश्तों में मधुरता और आपसी समझ बढ़ेगी। किसी पुराने मित्र या परिचित से मुलाकात मन को प्रसन्न कर सकती है।

वृश्चिक। आज दिन की शुरुआत काम और जिम्मेदारियों की अधिकता के साथ हो सकती है। कार्यक्षेत्र में एक साथ कई कामों को संभालना पड़ सकता है, लेकिन धैर्य और लगातार मेहनत से सफलता मिलेगी। जल्दबाजी करने के बजाय प्राथमिकताएं तय करके आगे बढ़ें। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, हालांकि किसी बात को लेकर मतभेद भी हो सकता है। व्यवसाय में धीरे-धीरे प्रगति के संकेत हैं।

धनु। आज भाग्य का अच्छा साथ मिलने से कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे हो सकते हैं। कारोबार या नौकरी में उन्नति के योग हैं और आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। नए अवसरों को पहचानकर सही समय पर निर्णय लेना आपके लिए लाभदायक रहेगा। यात्रा के योग भी बन रहे हैं और यह यात्रा व्यक्तिगत या व्यावसायिक रूप से लाभदायक साबित हो सकती है। वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।

मकर। आज आपके परिश्रम का सुखद परिणाम मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और जिम्मेदारी निभाने की क्षमता की सराहना हो सकती है। व्यवसाय में भी योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ने पर लाभ मिलेगा। आर्थिक मामलों में स्थिति सामान्य से बेहतर रह सकती है, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखना जरूरी होगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सतर्क रहें और खान-पान में लापरवाही न करें। परिवार के किसी सदस्य के साथ महत्वपूर्ण चर्चा हो सकती है। पुराने कार्यों को पूरा करने का अच्छा अवसर मिलेगा।

कुंभ। आर्थिक दृष्टिकोण से आज का दिन महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। निवेश से लाभ मिलने की संभावना है, लेकिन किसी भी निर्णय से पहले पूरी जानकारी जरूर प्राप्त करें। मित्रों और परिचितों का सहयोग आपके लिए लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर सामने आ सकते हैं और आपकी योजनाओं को समर्थन मिल सकता है। व्यवसाय में विस्तार या नई साझेदारी पर विचार किया जा सकता है। सामाजिक संपर्क बढ़ेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात भविष्य के लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

मीन। आज मन प्रसन्न और उत्साहित रहेगा। शिक्षा, कला, लेखन और रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों के लिए विशेष सफलता के योग बन रहे हैं। विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है और नई उपलब्धि प्राप्त होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा और रचनात्मक सोच की सराहना होगी। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सुखद रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखें तथा अनावश्यक खर्चों से बचें। किसी पुराने मित्र या परिचित से मुलाकात खुशी दे सकती है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और मानसिक रूप से सकारात्मक ऊर्जा महसूस होगी।

रांची के मोरहाबादी मैदान में हजारों आदिवासियों का जुटान

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कहा कि परिसीमन में एसटी सीटें नहीं घटने देंगे

रांची। रांची के मोरहाबादी मैदान में रविवार को आदिवासी एकता महाजुटान में हजारों की संख्या में लोग जुटे। हाथों में झंडे और नारों के बीच मंच से परिसीमन, आदिवासी और जल-जंगल-जमीन का मुद्दा उठा।

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कहा कि कांग्रेस झारखंड में एसटी सीटें नहीं घटने देगी। हम आपके संग खड़े रहेंगे। हम सब साथ-साथ लड़ाई लड़ेंगे। राजू ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से इस मुद्दे पर खुलकर बात हुई है। परिसीमन के विषय पर राहुल गांधी झारखंड के आदिवासियों के साथ खड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा झारखंड के आदिवासियों के साथ षड्यंत्र कर रही है।

आदिवासियों का हक और अधिकार छीना तो चुप नहीं बैठेंगे : बंधु तिर्की

पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि आदिवासियों का हक छीना गया तो वे चुप नहीं बैठेंगे। इसके खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि परिसीमन केवल लोकसभा और विधानसभा की सीटों का सवाल नहीं, बल्कि आदिवासियों के राजनीतिक और संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय है। झारखंड की अस्मिता और आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए इस संघर्ष को गांव-गांव तक ले जाना होगा। यदि जनसंख्या को आधार बनाकर परिसीमन में आदिवासी क्षेत्रों और राजनीतिक प्रतिनिधित्व को कम करने का प्रयास किया गया तो इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। राज्य में बहुत बड़ा षड्यंत्र रचा जा रहा है। आरएसएस और भाजपा झारखंड की पहचान बदलकर इसे 'नागपुर' बनाना चाहते हैं।

महाजुटान में 5 प्रस्ताव पारित, परिसीमन से लेकर सरना कोड तक उठे मुद्दे

1:एसटी सीटें समान अनुपात में बढ़ें: लोकसभा-विधानसभा की सीटें बढ़ें तो एसटी के लिए आरक्षित सीटें भी उसी अनुपात में बढ़ें। आदिवासी क्षेत्रों और प्रतिनिधित्व में कमी मंजूर नहीं।

2: एमएमडीआर बिल वापस हो: खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन कानून वापस लेने की मांग। कहा- इससे राज्यों की राजकोषीय स्वतंत्रता और विधायी अधिकार प्रभावित होंगे।

3: आदिवासी जमीन का अवैध हस्तांतरण रुके: सीएनटी-एसपीटी कानूनों का उल्लंघन कर हुए जमीन के हस्तांतरण, कब्जे और बिक्री पर रोक लगे। अवैध रूप से हस्तांतरित जमीन मूल रैयतों को लौटाई जाए।

4: ग्रामसभा की मंजूरी के बिना खनन नहीं: पांचवीं अनुसूची के क्षेत्रों में ग्रामसभा की सहमति के बिना खनन, जमीन अधिग्रहण और विस्थापन पर रोक लगे। पेसा और वन अधिकार कानून प्रभावी हों।

5: जनगणना में अलग सरना कोड: जनगणना फॉर्म में सरना के लिए अलग कॉलम देने की मांग दोहराई गई।

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने राहुल गांधी का संदेश पढ़कर सुनाया। संदेश में कहा गया कि कांग्रेस के लिए आदिवासी अधिकार सर्वोपरि रहा है। अधिकारों, पहचान और सम्मान की रक्षा के लिए एकजुट हुए लोगों के साथ राहुल गांधी मजबूती से खड़े हैं। झारखंड का इतिहास आदिवासी समाज के संघर्ष से जुड़ा है। जयपाल सिंह मुंडा को याद करते हुए कहा गया कि उन्होंने संविधान सभा में आदिवासियों की आवाज बुलंद की और उनके अधिकारों को संवैधानिक सुरक्षा दिलाने के लिए संघर्ष किया।

पुरी में बनेगा झारखंड का अपना गेस्ट हाउसःसीएम ने डीपीआर को दी मंजूरी, 99 करोड़ रुपए खर्च होंगे, आम लोगों को भी मिलेगी सुविधा

रांची। ओडिशा के पुरी में समुद्र के समीप जल्द ही झारखंड सरकार का अपना गेस्ट हाउस होगा। इस पर करीब 99 करोड़ रुपए खर्च होंगे। अभी पुरी में झारखंड का गेस्ट हाउस किराए के भवन में चल रहा है। नए गेस्ट हाउस निर्माण का प्राक्कलन तैयार हो गया है। भवन निर्माण विभाग ने तकनीकी अनुमोदन दे दिया है।

डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंजूरी दे दी है। अब प्रशासनिक स्वीकृति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पुरी में बनने वाले इस गेस्ट हाउस में झारखंड से आने वाले मंत्रियों, सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ आम लोगों के ठहरने की भी सुविधा होगी। इसके लिए संबंधित विभाग से बुकिंग करानी होगी।

वो सबकुछ जो आपके लिए जानना जरूरी है

भगवान जगन्नाथ मंदिर से 8 किमी दूर बनेगा भवन: ओडिशा सरकार ने अपने इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (इडको) के माध्यम से पुरी सदर के ग्राम बालुखंडा में 0.35 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है। यह जमीन कोणार्क वन्यजीव अभयारण्य के पास है और भगवान जगन्नाथ मंदिर से करीब 8 किलोमीटर दूर है।

जमीन के लिए झारखंड सरकार ने इडको को 49.70 लाख रुपए लीज प्रीमियम, 7.20 लाख रुपए स्टांप ड्यूटी, वार्षिक किराया और रजिस्ट्रेशन शुल्क का भुगतान कर दिया है। दोनों पक्षों के बीच पहले ही लीज एग्रीमेंट हो चुका है।

6 जिलों में ऑरेंज, 10 में यलो अलर्टः लो प्रेशर के कारण एक्टिव रहेगा मानसून

रांची। झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी हिस्से और उससे सटे पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तट पर बना निम्न दबाव का क्षेत्र अब अच्छी तरह चिह्नित निम्न दबाव वाले क्षेत्र में बदल गया है। इसके प्रभाव से आज राज्य के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने आज के लिए गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं हजारीबाग, बोकारो, कोडरमा, रांची, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, गिरिडीह और धनबाद में यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान कई इलाकों में गरज-चमक के साथ वज्रपात और तेज हवाएं चल सकती हैं।

आज के लिए गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

आज के लिए गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

अगले 24 घंटे मौसम के लिए महत्वपूर्ण

मौसम विभाग के अनुसार निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ सकता है। इसके कारण झारखंड में अगले 24 घंटे मौसम के लिहाज से काफी सक्रिय रहने की संभावना है। रांची और आसपास के इलाकों में भी दिनभर बादल छाये रहने तथा मध्यम दर्जे की बारिश होने के आसार हैं।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार बारिश का असर 31 अगस्त के बाद भी बना रहेगा। 1 सितंबर को गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, रांची, खूंटी, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम में यलो अलर्ट रहेगा।

जेएससीए से 2 सदस्य आउटः एजीएम में ऑडिटेड लेखा-जोखा सर्वसम्मति से पास, विशेष आमसभा की कार्यवाही को भी मंजूरी दी गई

रांची। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) की वार्षिक आमसभा (एजीएम) रविवार को रांची स्थित जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में हुई। बैठक में झारखंड हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस वीरेंद्र सिंह को जेएससीए का ओम्बड्समैन (लोकपाल) और एथिक्स ऑफिसर नामित किया गया। वहीं, एसबी सिंह और एसए रहमान की सदस्यता खत्म करने के फैसले की भी एजीएम ने पुष्टि कर दी।

आमसभा की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव ने की। उपाध्यक्ष संजय पांडेय, मानद सचिव सौरभ तिवारी, मानद कोषाध्यक्ष अमिताभ घोष और मानद संयुक्त सचिव शाहबाज नदीम समेत प्रबंधन समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे। राज्यभर से करीब 400 सदस्य एजीएम में शामिल हुए। बैठक में पिछली वार्षिक आमसभा की कार्यवाही की पुष्टि की गई। इसके अलावा 25 अगस्त 2026 को हुई विशेष आमसभा की कार्यवाही को भी सदस्यों ने मंजूरी दी। एजीएम में कमिटी ऑफ मैनेजमेंट की ओर से पिछले एक साल में लिए गए महत्वपूर्ण फैसलों को सदस्यों के सामने रखा गया।

पुरुष-महिला टीमों के चयनकर्ताओं के नाम घोषित

मानद सचिव सौरभ तिवारी ने पिछले वर्ष संघ, खिलाड़ियों और टीमों की उपलब्धियां सदस्यों के सामने रखीं। उन्होंने जेएससीए के सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में चैंपियन बनने की उपलब्धि का खास तौर पर उल्लेख किया। इसके साथ ही आगामी सत्र के लिए पुरुष और महिला टीमों की चयन समितियों की घोषणा की गई।

सीनियर मेंस सेलेक्शन कमेटी : मनीष वर्द्धन (चेयरमैन), अजय कुमार यादव, सोनू सिंह व आमिर हाशमी। जूनियर मेंस सेलेक्शन कमेटी : कौशल सिंह (चेयरमैन), संजीव गुप्ता, देबोब्रत दास और राजेश कुमार झा। विमेंस सेलेक्शन कमेटी : कविता रॉय (चेयरमैन), शाहिद खान, मनोज कुमार सिंह, मिथुन मुखर्जी और पप्पू सिंह।

डेली मार्केट की जमीन के लिए निगम ने लिखा पत्रःनगर निगम ने सहमति लिए बिना ही आरआरडीए की संपत्ति पर किया दावा

रांची। राजधानी में आरआरडीए की संपत्ति को लेकर रांची नगर निगम ने कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना तैयार की है। निगम बोर्ड ने आरआरडीए की 1.71 एकड़ न्यू मार्केट चौक स्थित जमीन और 2.16 एकड़ एसके सहाय डेली मार्केट को विकसित करने का प्रस्ताव मंजूर किया है। बड़ी बात यह है कि इसके लिए आरआरडीए से सहमति भी नहीं ली गई है।

दोनों बाजारों में 251 और 280 से अधिक दुकानें हैं, जिनसे आरआरडीए को सालाना करीब 40 लाख रुपए किराया मिलता है। निगम ने प्रस्ताव के बाद दोनों बाजारों की जमीन और दुकानों को अपने अधीन करने के लिए आरआरडीए को पत्र भेजा है।

निगम का पत्र मिलने के बाद आरआरडीए के पदाधिकारी से लेकर कर्मचारी तक सकते में हैं। उन्हें डर सता रहा है कि जब आरआरडीए के पास संपत्ति नहीं रहेगी तो उन्हें वेतन-भत्ता कहां से मिलेगा। खास बात यह है कि नगर आयुक्त सुशांत गौरव ही आरआरडीए उपाध्यक्ष के प्रभार में हैं। आरआरडीए में अभी चेयरमैन भी नहीं है।

न्यू मार्केट रातू रोड :1.71 एकड़ जमीन पर निगम 17,913 वर्गफीट में छह मंजिला कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाएगा। बेसमेंट, लोअर व अपर ग्राउंड पर पार्किंग और तीन मंजिलों पर मार्केट होगा। यहां की 251 दुकानों-कियोस्क के मौजूदा लोगों को नई दुकानों के आवंटन में प्राथमिकता देने का प्रस्ताव है।

प्राधिकार की संपत्ति ले ली गई तो आर्थिक रूप से यह संस्था काफी कमजोर हो जाएगी। कर्मचारियों को वेतन देना भी मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में प्राधिकार को ही उसकी जमीन पर कॉमर्शियल कांप्लेक्स बनाना चाहिए, ताकि संस्था जिंदा रहे। **परमा सिंह, पूर्व चेयरमैन, आरआरडीए**

शहर की सरकारी जमीन निगम की होगी

नगर विकास विभाग की वर्ष 2013 की नियमावली के तहत शहरी क्षेत्र में स्थित सरकारी जमीन और संपत्तियों का हस्तांतरण नगर निगम को किया जाना है।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	8					7	9	
	1		4	6		8	7	2
9	2		3				4	
6			7			1	3	
				8				
	4	1			6			7
	3				7		8	4
8	5	6		7	4		1	
	7	4					6	

पिछले अंक का उत्तर

9	4	6	2	3	8	5	1	7
2	8	1	5	4	7	3	6	9
3	5	7	6	1	9	8	4	2
6	9	2	1	8	5	4	7	3
4	7	5	3	9	2	1	8	6
8	1	3	4	7	6	2	9	5
5	6	8	9	2	4	7	3	1
7	3	9	8	5	1	6	2	4
1	2	4	7	6	3	9	5	8

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

हाईकोर्ट में सुनवाई से पहले निकाला टेंडरःरांची सहित राज्य के 606 थानों में लगेंगे 9006 सीसीटीवी कैमरे

रांची। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद राज्य के सभी थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। रांची समेत राज्य के सभी जिलों के 606 थानों में 9,006 कैमरे लगाए जाएंगे। इस पर करीब 90 करोड़ रुपए खर्च होंगे। राज्य मंत्रिपरिषद से संशोधित डीपीआर मंजूर होने के बाद जैप आईटी ने टेंडर जारी कर दिया है। 21 सितंबर को टेक्निकल बिड खुलेगा। चयनित एजेंसी कैमरे लगाने के साथ सर्विलांस सिस्टम तैयार करेगी और पांच साल तक ऑपरेशन-मेंटेनेंस करेगी।

इधर, थानों में सीसीटीवी नहीं लगाए जाने पर पिछले दिनों झारखंड हाईकोर्ट ने भी नाराजगी जताई है। चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने डीजीपी को अवमानना नोटिस जारी कर पूछा है कि आदेश का पालन नहीं करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए। मामले की अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

एशिया कप- भारत ने थाईलैंड को 94 रन से हराया: दीप्ति ने बिना रन दिए 3 विकेट झटके, विमेंस टी-20 इंटरनेशनल की टॉप विकेटकर बनीं

दुबई। भारत ने विमेंस टी-20 एशिया कप में जीत से शुरुआत की है। टीम ने रविवार को थाईलैंड को 94 रन से हराया।

दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में थाईलैंड 160 रन चेज करते हुए 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑलआउट हो गई। 150वां मैच खेल रहीं दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके और कोई रन नहीं दिया। वे विमेंस टी-20 इंटरनेशनल की टॉप विकेट टेकर भी बन गई। नंदनी शर्मा ने भी 3 विकेट लिए। श्री चरणी ने 2 विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच शेफाली शर्मा ने 36 बॉल पर 64 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। भारतीय टीम का दूसरा मैच 5 सितंबर को पाकिस्तान से इसी मैदान पर होगा।

भारत ने आखिरी 46 रन बनाने में 8 विकेट गंवाए

रविवार को टीम इंडिया मजबूत शुरुआत के बावजूद 159 रन ही बना सकी थी। उसने आखिरी 46 रन बनाने में 8 विकेट गंवा दिए।

इससे पहले टीम की टॉप-3 बैटर्स ने 105 रन बनाए। इनमें स्मृति मंधाना के 22, शेफाली वर्मा के 64 और प्रतिका रावल के 22 रन शामिल रहे। थाईलैंड की ओर से सुलेपॉर्न लाओमी ने 3 विकेट झटके।

दोनों टीमों की प्लेइंग-XI

भारत: स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, प्रतिका रावल, हरमनप्रीत कौर, भारती फुलमाली, ऋचा घोष, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्री चरणी, क्रांति गौड और नंदनी शर्मा।

थाईलैंड: अपिसरा सुवानचोनराठी, फन्निता माया, नन्नापत कोनचारोएनकाई (विकेटकीपर), नत्थाकन चन्थम, चनिदा सुथिरुआंग, नाओमी हैमिल्टन, सुलेपॉर्न लाओमी, नन्नाफट चाइहान, सुनीदा चतुरोंगरत्तना, ओननिचा कामचोम्फू और थिपाचा पुथावोंग (कप्तान)।

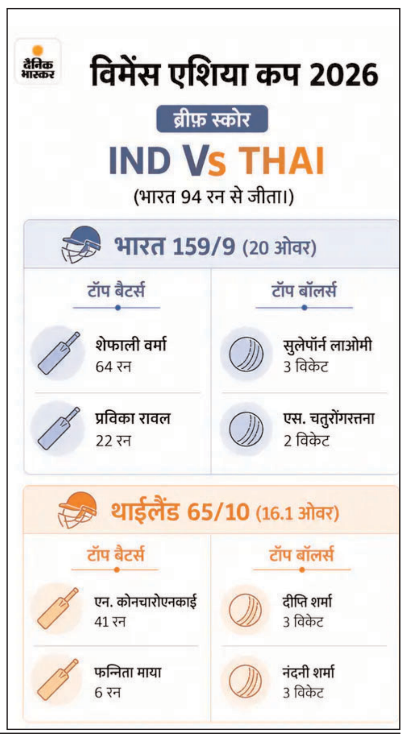

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स में 300 अंक की गिरावट:76,950 पर कारोबार कर रहा, निफ्टी भी 150 अंक गिरा; मेटल और IT शेयर्स में ज्यादा बिकवाली

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में 31 अगस्त को कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स करीब 300 अंक टूटकर 76,950 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी में भी करीब 150 अंकों की गिरावट दर्ज की गई और यह 24,050 के आसपास पहुंच गया। बाजार में मेटल, आईटी और मीडिया सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली देखने को मिली।

एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों का असर घरेलू निवेशकों की धारणा पर भी दिखाई दिया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.31 प्रतिशत, जापान का निक्केई 1.57 प्रतिशत और हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 0.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आया। इससे वैश्विक बाजारों में निवेशकों की सतर्कता बढ़ी हुई दिखाई दी।

इससे पहले 28 अगस्त को अमेरिकी शेयर बाजार भी कमजोर बंद हुए थे। नैस्डैक में 0.52 प्रतिशत और एसएंडपी 500 में 0.25 प्रतिशत की गिरावट रही, जबकि डाउ जोन्स लगभग सपाट रहते हुए मामूली कमजोरी के साथ बंद हुआ।

घरेलू बाजार में संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां भी महत्वपूर्ण बनी हुई हैं। पिछले सात दिनों में घरेलू संस्थागत निवेशकों यानी छ्वढ्ढढ्ढ ने 16,817 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं, जबकि विदेशी निवेशकों यानी स्नढ्ढढ्ढ/स्नक्क्ढ्ढ की ओर से इसी अवधि में 3,242 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली दर्ज की गई। पिछले 30 दिनों में घरेलू निवेशकों ने 53,679 करोड़ रुपये की खरीदारी की है।

चांदी 8,437 गिरकर 2.35 लाख पर आई:7 महीने में 1.51 लाख नीचे आई; सोने में आज 4,453 गिरावट

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 31 अगस्त को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 4,453 रुपए गिरकर 1.55 लाख रुपए हो गया है।

वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 8,437 रुपए गिरकर 2.35 लाख रुपए पर आ गई है। 7 महीने में चांदी के दाम में 1.51 लाख की गिरावट आई है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार कच्चे तेल की कीमत में तेजी के कारण सोने और चांदी में गिरावट आई है। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के एक द्वीप पर हमला किया है। ईरान ने भी जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया।

ऑलटाइम हाई से 1.51 लाख रुपए गिरी चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 21 हजार रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक चांदी 1.51 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।

श्वेत घोड़े के जोड़े का उपयोग घर के विभिन्न हिस्सों में सुख, समृद्धि, शांति और सफलता को लाने के लिए किया जाता है। यह विद्युतीय ऊर्जा को संतुलित करके आपके घर में सकारात्मकता को बढ़ाने का कारण बनते हैं। श्वेत घोड़े के जोड़े का उपयोग पशु स्थल, कार्यालय या व्यापार स्थान, औद्योगिक कार्यालय, परिवार क्षेत्र में किया जा सकता है।

ध्यान दें कि ये उपाय वास्तु शास्त्र की परंपरा के अनुसार हैं, और इनका व्यापारिक आधार नहीं है। इसलिए, कृपया एक वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करें और आवश्यकतानुसार उपाय करें।

www.vastuguruji.com RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

पाकिस्तान लॉर्ड्स में 16 साल बाद टेस्ट मैच हारा: इंग्लैंड 194 रन से जीता, रॉबिन्सन को 8 विकेट; सीरीज में 2-0 की बढ़त

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को लॉर्ड्स टेस्ट में 194 रन से हरा दिया। इसके साथ ही इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। पाकिस्तान 389 रन का पीछा करते हुए चौथे दिन 194 रन पर ऑलआउट हो गया।

सऊद शकील ने पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा 97 रन बनाए। ओली रॉबिन्सन ने दूसरी पारी में 4 विकेट लिए और मैच में कुल 8 विकेट हासिल किए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पाकिस्तान 2010 के बाद पहली बार लॉर्ड्स में हारा। इससे पहले टीम ने 2016 और 2018 में यहां लगातार दो टेस्ट जीते थे। इंग्लैंड में पाकिस्तान की आखिरी टेस्ट सीरीज जीत 1996 में आई थी।

14 रन पर 3 विकेट गंवाए

पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने 14 रन पर ही अजान अवैस, अब्दुल्ला शफीक और बाबर आजम के विकेट गंवा दिए। बाबर 8 गेंदों पर 6 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद सऊद शकील और शान मसूद ने पारी संभाली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी की और करीब चार घंटे तक इंग्लैंड के गेंदबाजों को परेशान किया।

शकील ने 54 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 13 चौके और 2 छक्के लगाए। हालांकि, जोश टंग की शॉर्ट गेंद पर डीप स्क्वायर लेग में कैच देकर 97 रन पर आउट हो गए। ओली रॉबिन्सन ने दूसरी पारी में 4/24 का प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले टेस्ट की पारी में भी 4 विकेट लिए थे, यानी मैच में उनके नाम 8 विकेट रहे। जोफ्रा आर्चर ने दूसरी पारी में 2 और जोश टंग ने 3 विकेट लिए। रॉबिन्सन ने इस प्रदर्शन के साथ टेस्ट क्रिकेट में एक खास रिकॉर्ड भी बनाया। 23 टेस्ट में उनके 99 विकेट हो गए हैं और उनका गेंदबाजी औसत करीब 19.5 है, जो पिछले 100 साल में कम से कम 20 टेस्ट खेलने वाले गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह के 19.79 के औसत से बेहतर है।

भारत-बांग्लादेश सीरीज के लिए नई तारीख तलाश रहे

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष तमिम इकबाल ने रविवार को कहा कि भारत के खिलाफ टली हुई सीरीज के लिए नई तारीख तलाशने पर बातचीत चल रही है। भारत को अगस्त-सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलने थे, लेकिन सीरीज फिलहाल टाल दी गई है।

तमिम ने रविवार को यूट्यूब चैनल 'नॉट आउट नोमान' से कहा, 'भारत सीरीज नहीं होगी, यह अभी तय नहीं हुआ है।

तमिम ने कहा, मैं आपको एक छोटी जानकारी देना चाहता हूं। दोनों बोर्ड इस सीरीज को कराने को लेकर बहुत गंभीर हैं। BCCI और BCB दोनों नई तारीख तलाश रहे हैं कि इसे कब कराया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, हम लगभग एक तारीख को लेकर भी सोच रहे हैं कि क्या उस समय सीरीज हो सकती है या नहीं। अगर मुझे लगता कि मंशा नकारात्मक है, तो आज मैं आपसे यह नहीं कहता कि देखते हैं क्या होता है, हमें उम्मीद है।

उन्होंने कहा, मंशा अच्छी है और हम लगातार बातचीत कर रहे हैं। तारीखों पर भी काम किया जा रहा है, क्योंकि बांग्लादेश भी व्यस्त है और भारत भी व्यस्त है।

सीरीज 2024 में होनी थी: दौरा पहले 2024 में होना था। इसी दौरान बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलन हुआ और सरकार बदली। फिर टी-20 वर्ल्ड कप से पहले BCCI और BCB के बीच तनाव की स्थिति बनी। इसकी वजह से सीरीज टाल दिया गया था।

सुरक्षा बड़ा इश्यू: तमीम इकबाल ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शामा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की। उन्होंने सरकार से कहा है कि वे भारत सरकार से बात करें।

15 साल की तन्वी ने जीता पहला सीनियर बैडमिंटन खिताब:वर्ल्ड नंबर-82 को 32 मिनट में हराया; टूर्नामेंट में टॉप-100 की 2 प्लेयर्स से जीतीं

इंडोनेशिया। भारत की 15 साल की बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पात्री ने इंडोनेशिया में पोंटियानक इंटरनेशनल चैलेंज का खिताब जीत लिया है।

वर्ल्ड नंबर-132 तन्वी ने फाइनल में साउथ कोरिया की वर्ल्ड नंबर-82 किम मिन सन को 21-5, 21-6 से हराया। उन्होंने सिर्फ 32 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। यह तन्वी का पहला सीनियर इंटरनेशनल खिताब है।

यह टूर्नामेंट में तन्वी की छठी जीत थी। पहले मैच को छोड़कर उन्होंने अपने सभी मुकाबले सीधे गेम में जीते।

लगातार दूसरे दिन टॉप-100 खिलाड़ी को हराया

तन्वी ने फाइनल से एक दिन पहले सेमीफाइनल में कनाडा की टॉप सीड और वर्ल्ड नंबर-51 रेचल चैन को हराया था। उन्होंने यह मुकाबला 21-9, 21-19 से जीता। इस तरह तन्वी ने लगातार दो दिन टॉप-100 रैंकिंग वाली खिलाड़ियों को शिकस्त दी।

तन्वी ने इस सीजन में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। पोंटियानक से पहले उन्होंने एंटिका सिंगापुर इंटरनेशनल चैलेंज में रनर-अप रहते हुए सिल्वर मेडल जीता था। उस फाइनल में उन्हें जापान की वर्ल्ड नंबर-55 मनामी सुजू ने तीन गेम में हराया था। तन्वी ने इस सीजन में इंटरनेशनल टूर्नामेंट में तीन बार दूसरा स्थान हासिल किया है। वह कुछ साल चीन में ट्रेनिंग भी कर चुकी हैं और फिलहाल बेंगलुरु के सेंटर ऑफ बैडमिंटन एक्सीलेंस में ट्रेनिंग करती हैं।

भारत की सबसे ज्यादा रेटिंग वाली युवा खिलाड़ियों में शामिल तान्वी ने अपने शुरुआती सालों में चीन में ट्रेनिंग की है। कोच सागर चोपड़ा के मुताबिक, इसका असर उनकी तकनीक, मूवमेंट और कोर्ट कवरेज में साफ दिखाई देता है।

जर्मनी चौथी बार हॉकी वर्ल्ड चैंपियन:फाइनल में स्पेन को हराया; पाकिस्तान के सबसे ज्यादा 4 खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी

बेल्जियम। जर्मनी ने स्पेन को 1-0 से हराकर हॉकी वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। उसने लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप ट्रॉफी अपने नाम की है। जर्मनी टूर्नामेंट के इतिहास में चौथी बार चैंपियन बना है।

बेल्जियम के वॉवर में रविवार को जर्मनी के लिए मैच का एकमात्र गोल मिशेल स्ट्रूथॉफ ने 44वें मिनट में किया। स्पेन ने 24 सर्कल एंट्री की, जबकि जर्मनी की 12 रही। स्पेन ने 9 शॉट और जर्मनी ने 5 शॉट लगाए।

पहले हाफ में गोल नहीं हुआ। तीसरे क्वार्टर में स्पेन ने लगातार अटैक किए, लेकिन 44वें मिनट में जर्मनी ने काउंटर अटैक पर बढ़त बना ली। स्ट्रूथॉफ ने गोलकीपर को छकाते हुए गेंद नेट में पहुंचा दी।

इस जीत के साथ जर्मनी के वर्ल्ड कप खिताबों की संख्या 4 हो गई है। पाकिस्तान ने भी 4 बार यह ट्रॉफी जीती है। पाकिस्तान के खिताब 1971, 1978, 1982 और 1994 में आए थे। जर्मनी ने 2002, 2006, 2023 और 2026 में खिताब जीता।

स्पेन ने फाइनल में जर्मनी से ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया। टीम ने तीसरे क्वार्टर में 10 बार जर्मन सर्कल में प्रवेश किया और कई मौके बनाए, लेकिन फिनिशिंग कमजोर रही। जर्मनी ने अपने सीमित मौकों में से एक को गोल में बदलकर मैच जीत लिया।

स्पेन की टीम 1998 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंची थी। हालांकि, उसका पहला वर्ल्ड कप खिताब जीतने का इंतजार जारी रहा।

जर्मनी ने ओलिंपिक सिल्वर जीता

2021 टोक्यो ओलिंपिक के ब्रॉन्ज मेडल मैच में भारत से हारने के बाद जर्मनी ने शानदार वापसी की। टीम ने इसके बाद दो वर्ल्ड कप, एक ओलिंपिक सिल्वर और एक यूरोपियन खिताब जीता है। जर्मनी के कोच आंद्रे हेनिंग के लिए यह 2022 में टीम की कमान संभालने के बाद चौथा बड़ा खिताब है।

अर्जेंटीना ने ब्रॉन्ज जीता

ब्रॉन्ज मेडल मैच में अर्जेंटीना ने नीदरलैंड्स को 2-1 से हराया। मैथियास रे ने 59वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से विजयी गोल किया।

भारत 8वें स्थान पर रहा

भारत ने इस वर्ल्ड कप 2026 में 8वां स्थान हासिल किया। 7वें-8वें स्थान के मुकाबले में भारत और बेल्जियम का मैच 3-3 से ड्रॉ रहा, लेकिन शूटआउट में बेल्जियम ने 4-3 से जीत दर्ज की। भारत दूसरे राउंड में अर्जेंटीना से 3-5 और नीदरलैंड्स से 1-3 से हारकर सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गया था।

‘एक पेड़ माँ के नाम’ अभियान से पर्यावरण संरक्षण का संदेश, मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया वृक्षारोपण

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर चलाए जा रहे ‘एक पेड़ माँ के नाम’ अभियान के तहत आज रायपुर स्थित अशोका पाम मीडोज सोसाइटी में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक लोगों से पौधरोपण कर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में राजेश मूणत, अनुज शर्मा, राजीव अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि ‘एक पेड़ माँ के नाम’ केवल वृक्षारोपण का अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति और मातृशक्ति के प्रति सम्मान की भावना से जुड़ा जन-अभियान है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस अभियान के माध्यम से देशवासियों को अपनी मां के सम्मान में एक पेड़ लगाने का भावनात्मक और पर्यावरणीय संदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि आज बढ़ते शहरीकरण और बदलते पर्यावरणीय परिस्थितियों के बीच वृक्षों का महत्व और भी बढ़ गया है। पेड़ हमें केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि जल संरक्षण, मिट्टी के संरक्षण, तापमान को संतुलित रखने और जैव विविधता को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अग्रवाल ने कहा कि एक पेड़ लगाना प्रकृति को दिया गया हमारा छोटा-सा योगदान है, लेकिन जब यही संकल्प करोड़ों लोगों का बन जाता है तो इसका प्रभाव बहुत व्यापक होता है। हमें अपने घर, मोहल्ले, गांव और शहर में अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि केवल पौधरोपण करना पर्याप्त नहीं है। लगाए गए पौधों को वृक्ष बनने तक उनकी नियमित देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों, सामाजिक संगठनों, युवाओं और विभिन्न संस्थाओं से अभियान से जुड़ने की अपील की।

उन्होंने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाले वर्षों में छांव, स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण का आधार बनेगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों को पौधरोपण से जोड़ना चाहिए।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संपदा से समृद्ध राज्य है। यहां के घने वन, नदियां, जलप्रपात, पहाड़ और जैव विविधता पर्यटन की बड़ी ताकत हैं। पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन विकास एक-दूसरे के पूरक हैं।

उन्होंने कहा कि प्रकृति को संरक्षित रखते हुए पर्यटन स्थलों का विकास करना राज्य की प्राथमिकताओं में शामिल है। हरित और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने से पर्यटकों को बेहतर प्राकृतिक अनुभव मिलेगा और स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार एवं आजीविका के अवसर भी बढ़ेंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्यजनों ने भी अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि आइए, अपनी मां की स्मृति और सम्मान में एक पेड़ लगाएं, उसकी देखभाल करें और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरा-भरा एवं सुरक्षित पर्यावरण तैयार करें। प्रकृति सुरक्षित होगी, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

नोनी सुरक्षा योजना दे रही बेटियों के भविष्य को नई उम्मीद

रायपुर। गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत सारबहरा की श्रीमती आकांक्षा अपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य को लेकर हमेशा चिंतित रहती थीं। उनकी इच्छा थी कि बेटी को अच्छी शिक्षा मिले और आगे चलकर उसका जीवन सुरक्षित, आत्मनिर्भर और खुशहाल हो। सीमित आर्थिक संसाधनों के बीच बेटी के भविष्य के लिए बेहतर प्रबंध करना उनके लिए चुनौती थी। इसी चिंता को कम करने और बेटी के भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने की दिशा में आकांक्षा ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से अपनी बेटी का ‘नोनी सुरक्षा योजना’ के तहत पंजीयन कराया। योजना से मिलने वाली आर्थिक सुरक्षा के भरोसे ने उनके मन में बेटी के भविष्य को लेकर नई उम्मीद जगाई है। आकांक्षा को उम्मीद है कि योजना के माध्यम से मिलने वाला लाभ उनकी बेटी के भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वह चाहती हैं कि उनकी बेटी बिना किसी आर्थिक बाधा के अपनी पढ़ाई पूरी करे और जीवन में अपने सपनों को साकार करे।

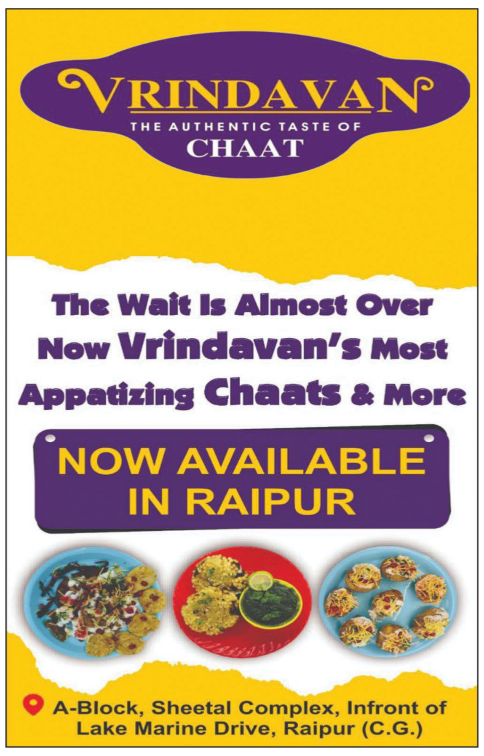

अकरम भैया’ का सम्मानः वॉलीबॉल को बनाया जीवन, हजारों खिलाड़ियों को दिलाई नई पहचान

रायपुर। वॉलीबॉल के प्रति वर्षों से समर्पित छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव एवं खेल से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारी मोहम्मद अकरम खान को राज्य खेल अलंकरण समारोह 2026 में सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के उत्कृष्ट खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

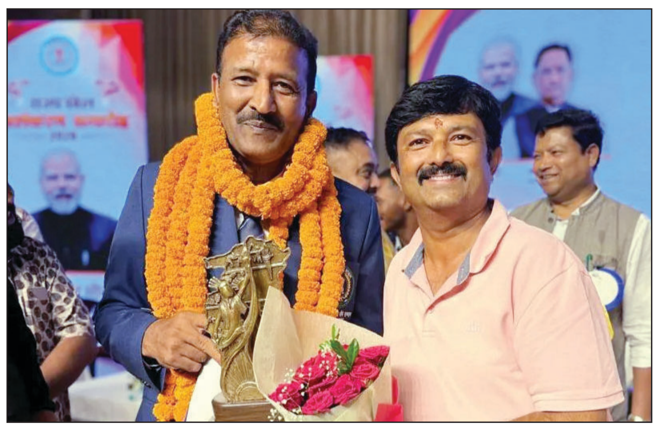

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में तीन वित्तीय वर्षों 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के लिए कुल 125 खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए गए। इसी क्रम में वॉलीबॉल के क्षेत्र में लंबे समय से उल्लेखनीय योगदान देने वाले मोहम्मद अकरम खान को भी सम्मान मिला। मोहम्मद अकरम खान ने करीब 12 वर्ष की उम्र में वॉलीबॉल खेलना शुरू किया था। धीरे-धीरे यह खेल उनके जीवन का हिस्सा बन गया और बाद में उन्होंने नई प्रतिभाओं को तैयार करने को अपना मिशन बना लिया। वर्षों तक उन्होंने बच्चों और युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया।

उनके मार्गदर्शन में तैयार हुए अनेक खिलाड़ियों ने विभिन्न स्तरों पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया है। खेल जगत में उनकी पहचान ऐसे व्यक्ति के रूप में बनी, जिन्होंने अपनी उपलब्धियों से ज्यादा खिलाड़ियों की सफलता को महत्व दिया।

हजारों बच्चों को दिखाया खिलाड़ी बनने का सपना

अकरम खान ने रायपुर सहित प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में वॉलीबॉल को बढ़ावा देने और नई प्रतिभाओं को अवसर देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से जुड़े खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। खिलाड़ियों के बीच उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे उन्हें स्नेह और सम्मान से ‘अकरम भैया’ कहते हैं। सम्मान मिलने पर मोहम्मद अकरम खान ने राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वॉलीबॉल उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा है और वे आगे भी प्रदेश की नई खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए काम करते रहेंगे।

महतारी वंदन से मिला संबल, सिलाई मशीन ने दिखाई आत्मनिर्भरता की राह

महासमुंद। महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ उन्हें आत्मनिर्भरता की नई राह दिखाई है। महासमुंद शहर के वार्ड नंबर 11 की हितग्राही श्रीमती सीता वर्मा की कहानी भी इसी बदलाव का उदाहरण है। योजना के तहत उन्हें अब तक 31वीं किश्त प्राप्त हो चुकी है और नियमित रूप से मिलने वाली आर्थिक सहायता ने उनके परिवार की मुश्किलों को आसान करने में विशेष भूमिका निभाई है।

सीता वर्मा बताती हैं कि उनके परिवार में 11 सदस्य हैं। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच आजीविका चलाना चुनौतीपूर्ण था। ऐसे समय में महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली नियमित राशि उनके लिए बड़ा सहारा बनी। उन्होंने इस राशि का उपयोग अपनी आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से सिलाई मशीन खरीदने में किया।

सिलाई मशीन मिलने के बाद उन्होंने घर से ही सिलाई का काम शुरू किया। धीरे-धीरे काम मिलने लगा और इससे उनकी आय का नया स्त्रोत तैयार हुआ। अब वे अपने हुनर के जरिए परिवार की आर्थिक जरूरतों में योगदान दे रही हैं।

इदवारा बैराज के सर्वेक्षण कार्य के लिए 2.66 करोड़ मंजूर

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग ने बीजापुर जिले के विकासखंड भैरमगढ़ में सिंचाई सुविधाओं को मजबूती देने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। क्षेत्र के बहुप्रतीक्षित इदवारा बैराज के सर्वेक्षण कार्य के लिए शासन द्वारा 2 करोड़ 66 लाख 70 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

जल संसाधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इस सर्वेक्षण कार्य के पूरा होने से क्षेत्र में जल भंडारण क्षमता और सिंचाई रकबे का सही आकलन हो सकेगा। इस परियोजना के आगे बढ़ने से स्थानीय किसानों को खेती-किसानी के लिए पर्याप्त जल मिलेगा, जिससे बीजापुर जिले के ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684